रोहतक
रविवार, 6 अप्रैल 2025
चैत्र मास शुक्ल पक्ष, नवमी वर्ष : 29, अंक : 65
पृष्ठ 14 मूल्य 3.00

मौसम
अधि. 37.6
न्यून. 13.8

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

राम नवमी की मंगलकामनाएं

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

SANSKARAM UNIVERSITY

UGC Approved | AIU | PCI | VCI | BCI

Established under Haryana Private Universities Act, 2006 (Haryana Act No. 3 of 2024) and Approved by UGC under section 2(f) of the UGC Act 1956

Your Placement Our Responsibility

Academic & Collaboration Partners

Apple | Microsoft
Wave Pharma Limited | Ria Generics Limited
aws academy | grayquest
Airports Authority of India | Digital Kissan Farming
Radisson BLU | INDO US BIO-TECH LIMITED (INDO-US AGRISEEDS)

GET A MACBOOK ON DAY 1
Fully Loaded with Industry Grade Software
1st Time in India For all students

B.Tech
IT | CSE | AI & ML
Gaming
Cloud Computing
Cyber Security
*SCHOLARSHIPS AVAILABLE

GET A FREE MACBOOK WHEN YOU ENROLL
ADMISSIONS OPEN 2025

Unleash Your Potential with Our Top-Ranked Engineering & Management Programmes

₹ 30 Cr. Worth of Scholarship Through

SUST

Sanskaram University Scholarship Test

April 13 SUNDAY

VENUE : SANSKARAM UNIVERSITY CAMPUS

Scan for Registration

◆ SUST Scholarship :

S.No.	% Marks in SU Scholarship Test	Tuition Fee Waiver (%)
1	100 - 95.00	100 %
2	94.99 - 90.00	90 %
3	89.99 - 80.00	80 %
4	79.99 - 70.00	60 %
5	69.99 - 60.00	30 %

TRANSPORT FACILITY AVAILABLE FROM ROHTAK, JHAJJAR, GURUGRAM METRO STATION BAHADURGARH METRO STATION & REWARI

B.Tech Programmes

Join our elite 4-year B.Tech programme for the 2025-26 academic session and choose from a range of dynamic specializations

Computer Science & Engineering (CSE) Specializations
Artificial Intelligence & Machine Learning (AI & ML)
Cyber Security | Gaming | Cloud Technology & Information Security

Engineering Programmes
B.Tech / M.Tech in: Electronics & Communication Engineering (ECE)
Mechanical Engineering (ME) | Civil Engineering (CE)
Electrical Engineering (EE)

Management (BBA/MBA)

Join our elite 2-year MBA programme for the 2025-26 academic session and choose from a range of dynamic specializations

Undergraduate Programmes
BBA (Hons) (Bachelor of Business Administration - Honours)
BCA (Bachelor of Computer Applications)
B.Com (Bachelor of Commerce)

Postgraduate Programmes
MBA (Master of Business Administration)
MCA (Master of Computer Applications)
M.Com (Master of Commerce)

To Know More About our B.Tech & MBA Programmes
Call : 7056999201 | 7056999202

CAMPUS ADDRESS : N.H - 352, PATAUDA, DELHI-NCR, JHAJJAR (HARYANA)

खबर संक्षेप

वक्फ संशोधन विधेयक देशहित में जरूरी था

चंडीगढ़। परिवहन मंत्री अनिल विज ने कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक 2025 का विरोध दो तरह के लोग कर रहे हैं, एक जिन्होंने जमीनें दबा रखी है और दूसरा जिन्हें कानून की समझ नहीं है कि आखिर कानून में बदलाव क्या हुआ है। विज यहां पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। असदुद्दीन ओवैसी द्वारा विधेयक पर सवाल उठाने की बात पर विज ने कहा कि ओवैसी भाई जान अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं।

स्कूलों में चल रहा कमीशन का खेल

चंडीगढ़। सांसद सैलजा ने कहा कि नया शिक्षण सत्र शुरू हो चुका है और निजी स्कूल संचालक दोनों हाथों से अभिभावकों को सरेआम लूट रहे है और सरकार है कि हाथ पर हाथ रखकर तमाशा देख रही है ऐसा लग रहा है कि सरकार ने निजी स्कूलों को लूटने का ठेका दिया हुआ है, अभिभावक बच्चों के भविष्य की खातिर चुप्पी साध जाते है अगर सरकार ने सरकारी स्कूलों के हालात सुधारने पर ध्यान दिया होता तो अभिभावक लुटने को मजबूर न होते। कमीशन के खेल में आम आदमी पिस रहा है।

आंबेडकर जयंती पर पीएम मोदी करेंगे हिसार से विमान सेवाओं का शुभारंभ

■ मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बोले, हरियाणा के लिए होगा गौरव का क्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

■ मुख्यमंत्री का हिसार सांसद पर तंज, बोले- 14 को एयरपोर्ट आएं, करवाएंगे फ्री हवाई यात्रा

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी 14 अप्रैल को महाराजा अग्रसेन हिसार हवाई अड्डे से अयोध्या के लिए हवाई सेवा का शुभारंभ करेंगे। यह हम स भी हरियाणावासियों के लिए गर्व का विषय है कि भारत रत्न बाबा साहेब डॉ भीमराव आंबेडकर जयंती के अवसर पर हरियाणा को यह सौगात मिलने जा रही है। मुख्यमंत्री शनिवार को हिसार में ड्रग फ्री हरियाणा साइक्लोथॉन 2.0 का शुभारंभ करने उपरांत पत्रकारों से रूबरू हो रहे थे। नायब सिंह सैनी ने हिसार के सांसद जयप्रकाश के द्वारा हिसार एयरपोर्ट के संबंध में की जा रही बयानबाजी को लेकर पत्रकारों द्वारा पूछे गए प्रश्न के उत्तर में कहा कि सांसद 14 अप्रैल को आएं, मैं उन्हें आमंत्रित करता हूं। उनका टिकट भी नहीं लगेगा। उनको जहाज में बैठाकर भगवान श्रीराम के दर्शन कराएंगे।

प्रदेश का एक-एक व्यक्ति प्रधानमंत्री के स्वागत में खड़ा होगा। वक्फ संशोधन बिल के संदर्भ में पूछे गए एक अन्य प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में पूर्व की सरकारों के समय लंबे समय तक तुष्टिकरण की राजनीति होती रही, जिस कारण से देश को काफी नुकसान झेलना पड़ा। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में व्यवस्था परिवर्तन किया जा रहा है। जो गलतियां पूर्व की सरकारों ने की थी, उन गलतियों में सुधार किया जा रहा है। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा, कृष्ण कुमार बेदी, हिसार विधायक सावित्री जिंदल, हांसी विधायक विनोद भयाना, नलवा विधायक रणधीर पनिहार सहित अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

हिसार से अयोध्या का 3393 व हिसार से दिल्ली का किराया 1300 रुपये

हिसार। हिसार एयरपोर्ट के लोकार्पण का समय नजदीकी आते आते विभिन्न क्षेत्रों में जाने वाली फ्लाइटों का किराया भी तय कर दिया गया है। विभाग के अनुसार हिसार से अयोध्या, दिल्ली जाने वाली सेवाओं का किराया तय कर दिया गया है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार हिसार से अयोध्या का 3393 रुपये और अयोध्या से हिसार का 3730 रुपये किराया लगेगा। इसी तरह हिसार से दिल्ली का किराया 1300 रुपए रहेगा। यात्री 15 किलो तक का सामान ले जा सकेंगे। प्रति यात्री यही फिक्स किया गया है जबकि 15 किलो से ज्यादा सामान होने पर अतिरिक्त पैसे देने पड़ेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 14 अप्रैल को अयोध्या जाने वाली पहली फ्लाइट को हरी झंडी दिखाएंगे। फ्लाइट हफ्ते में दो दिन उड़ेगी। वर्तमान में कार से हिसार से अयोध्या पहुंचने में लगभग 12 घंटे का समय लगता है। फ्लाइट शुरू होने के बाद यह दूरी मात्र दो घंटे में तय की जा सकेगी वहीं खर्चा भी तीन गुना कम होगा।

पहली फ्लाइट फुल

70 सीटर हवाई जहाज की टिकटों की बिक्री शुक्रवार शाम को करीब साढ़े 8 बजे शुरू हुई और सिर्फ दो घंटे में ही साढ़े 10 बजे तक सभी टिकटें बिक गईं। अब 18 अप्रैल के लिए बुकिंग शुरू हो गई है। बुकिंग एलायंस एयर एविएशन की साइट पर ऑनलाइन हो रही है।

दो घंटे लगेंगे

हिसार से अयोध्या का सफर सिर्फ दो घंटे का होगा। विमान सुबह 10:40 बजे अयोध्या के लिए उड़ान भरेगा और 12:40 पर विमान अयोध्या पहुंच जाएगा। हर शुक्रवार और रविवार को फ्लाइट जाएगी। अयोध्या के लिए जाने वाला विमान सुबह दिल्ली से हिसार आएगा। हालांकि अभी ये तय नहीं हुआ है कि लोगों को फ्लाइट लेने के लिए कितने घंटे पहले एयरपोर्ट पर पहुंचना होगा। इसके अलावा जम्मू, जयपुर और अहमदाबाद के लिए भी उड़ानें शुरू की जाएंगी।

हरियाणवी सिनेमा के गौरवशाली परंपरा का प्रतीक : सीएम

हरियाणा की माटी में वीरता, कला और संस्कृति का अनमोल संगम

रोहतक। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह फिल्म महोत्सव हरियाणा की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को समझाने और उसे प्रोत्साहित करने का सराहनीय प्रयास है। यह केवल सिनेमा का पर्व नहीं है, बल्कि हरियाणवी संस्कृति, कला और भाषा के प्रति हमारी गहरी आस्था और सम्मान का प्रतीक भी है। हरियाणा की माटी में वीरता, कला और संस्कृति का अनमोल संगम है। यहां की लोक कला, संगीत और नृत्य अपनी मौलिकता और जीवंतता के लिए विश्व प्रसिद्ध हैं। उन्होंने कहा कि यह महोत्सव हरियाणवी सिनेमा के गौरवशाली परंपरा का जीवंत प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश राजनीतिक व प्रशासनिक इकाई के साथ-साथ अपनी सांस्कृतिक, प्राकृतिक, शौर्य, परंपरा और स्वाभिमानी जीवन जीने की अलग पहचान रखता है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की इस माटी में परिश्रम, पराक्रम और परमेश्वर का अद्भुत संगम है। यहाँ की धरती ने न केवल योद्धाओं और खिलाड़ियों को जन्म दिया बल्कि संगीत और संस्कृति के क्षेत्र में भी अपना विशेष योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि सिनेमा केवल मनोरंजन का साधन नहीं बल्कि सामाजिक परिवर्तन और जन जागरण का भी सशक्त माध्यम है। हरियाणवी सिनेमा ने भी अपने सफर में समाज को जागरूक करने, परंपराओं को संजोने और नवीन विचारधाराओं को प्रोत्साहित करने का कार्य किया है। उन्होंने सिनेमा को युवा पीढ़ी को प्रभावित करने वाला सशक्त माध्यम है।

फिल्म महोत्सव से हरियाणा की देश में बनेगी नई पहचान

मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी तक गोवा और पुणे में इस प्रकार के फिल्म महोत्सव आयोजित किए जाते रहे हैं, लेकिन हरियाणा में फिल्म महोत्सव का आयोजन एक साहसिक कार्य है। इससे सिनेमा जगत में हरियाणा की एक नई पहचान बनेगी। उन्होंने कहा कि यह महोत्सव नई पीढ़ी के दर्शकों और कलाकारों को सिनेमा के प्रति जागरूकता पैदा करेगा। यह फ्लिम महोत्सव कला, संस्कृति और फिल्मों का शानदार संगम है। इस फ्लिम महोत्सव से हरियाणा की देश में एक नई पहचान बनेगी ।

आज रोहतक से पंचकूला शिफ्ट होगा भाजपा का प्रदेश मुख्यालय : पूनिया

■ मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली समेत वरिष्ठ नेता रहेंगे उपस्थित

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी 6 अप्रैल को अपना स्थापना दिवस मना रही है। इसी दिन भाजपा का प्रदेश कार्यालय भी मंगल कमल रोहतक से पंचकमल पंचकूला में शिफ्ट हो जाएगा। भाजपा के प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया ने कहा कि भाजपा के स्थापना दिवस को पंच कमल कार्यालय भाजपा का मुख्यालय होगा। पूनिया ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली समेत तमाम बड़े नेता पार्टी उपस्थित रहेंगे। प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया ने बताया कि डा. मंगल सेन के निधन के बाद भाजपा के प्रदेश कार्यालय की शुरूआत रोहतक से हुई थी। इससे पहले चंडीगढ़ में ही भाजपा का प्रदेश कार्यालय था। अब संगठन ने पंचकूला स्थित पंचकमल कार्यालय को प्रदेश कार्यालय के रूप में बदलने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि 6 अप्रैल से पंचकमल कार्यालय से ही पार्टी की प्रदेश स्तरीय प्रशासनिक गतिविधियां चलेंगी। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व मुख्यमंत्री प्रदेश कार्यालय पंचकमल में नवनिर्मित अटल सभागार का उद्घाटन करेंगे।

डीएलएफ पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला

अवैध निर्माण और तोड़फोड़ पर लगाई रोक, यहां यथास्थिति बनाए रखें

» हरियाणा सरकार से 4 हफ्ते में मांगा जवाब

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुग्राम के आरडब्ल्यूए फेज एक से पांच में अवैध निर्माण के खिलाफ चल रही तोड़फोड़ की कार्रवाई पर फिलहाल रोक लगाते हुए 'स्थिति जैसी है, वैसी ही बनी रहने' का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और अरविंद कुमार की पीठ ने आरडब्ल्यूए कुतुब एन्क्लेव रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन की याचिका पर सुनवाई की। इस याचिका में हरियाणा सरकार के टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग की कार्रवाई को चुनौती दी गई थी। पीठ ने हरियाणा सरकार को नोटिस जारी कर 4 सप्ताह में जवाब मांगा और कहा कि अगली सुनवाई तक सभी पक्ष वर्तमान स्थिति बनाए रखें। इसके साथ ही कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि आरडब्ल्यूए भी कोई निर्माण नहीं गिराएगा। इससे पहले पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने 19 अप्रैल तक रिपोर्ट पेश करने का आदेश जारी किया था।

प्रदेश में 25 नए संस्कृति मॉडल स्कूलों को स्वीकृति

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने प्रदेश में 25 नए संस्कृति मॉडल स्कूलों को स्वीकृति प्रदान कर दी है। मुख्यमंत्री द्वारा 17 मार्च को बजट में घोषणा के बाद शिक्षा निदेशालय को इस संबंध में निर्देश जारी किए थे। शुक्रवार को पूरा कर दिया गया और प्रदेश में हर 10 किमी की दूरी पर एक संस्कृति मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल स्थापित करने की घोषणा को सरकार ने 16 दिनों में ही सिरे चढ़ा दिया है। 17 मार्च को वित्त मंत्री के रूप में बजट पेश करते हुए मुख्यमंत्री नायब सैनी ने इसकी घोषणा खुद सदन में की थी। मुख्यमंत्री ऑफिस ने शिक्षा विभाग के प्रस्ताव पर मुहर लगाते हुए 25 स्कूलों को मंजूरी दे दी है।

193 स्कूल चल रहे

प्रदेश में 193 संस्कृति मॉडल स्कूल पहले से चल रहे हैं। नई मंजूरी के साथ इन स्कूलों की संख्या 218 हो गई है। पहले से चल रहे सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूलों को ही संस्कृति मॉडल स्कूल में अपग्रेड किया जाएगा, इन 25 स्कूलों को सीबीएसई से संबद्ध करने के लिए शिक्षा विभाग की ओर से प्रक्रिया शुरू की जाएगी। आमतौर पर हरियाणा के सरकारी स्कूल, बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन, भिवानी से संबद्ध हैं।

छठी से बारहवीं तक लगेंगी क्लास

नए 25 संस्कृति मॉडल स्कूल छठी से 12वीं कक्षा तक के लिए होंगे। ये अंग्रेजी माध्यम के स्कूल होंगे, ताकि सरकारी स्कूलों के विद्यार्थी कान्वेंट स्कूलों के बच्चों के साथ कॉम्पिटिशन कर सकें। संस्कृति मॉडल स्कूलों में आधुनिक लैब के साथ-साथ कंप्यूटर, हाईटेक उपकरण सहित वह सभी सुविधाएं होंगी, जो कॉन्वेंट स्कूलों में होती हैं। अधिकांश स्कूलों में तीनों संकायों आर्ट्स,कॉमर्स साइंस की पढ़ाई होगी। इन स्कूलों में स्टाफ की नियुक्ति सरकारी शिक्षकों में से टेस्ट के आधार पर होगी। संस्कृति मॉडल स्कूलों की शुरुआत पूर्व की मनोहर स्कूली शिक्षा के साथ-साथ बेहतर खेल अवसर मिलेंगे हरियाणा में पिंजौर, बिलासपुर, पिहोवा, गुहला चीका, कलायत, सीवन, घरौंडा, नरवाना, भट्टू कला, रतिया, डबवाली, सिरसा, हिसार-11, लोहारू, सोनीपत, सफीदों, उचाना, सिवानी, बहादुरगढ़, मातनहेल, महेंद्रगढ़ और फिरोजपुर झिरका में एक-एक संस्कृति मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल शामिल हैं।

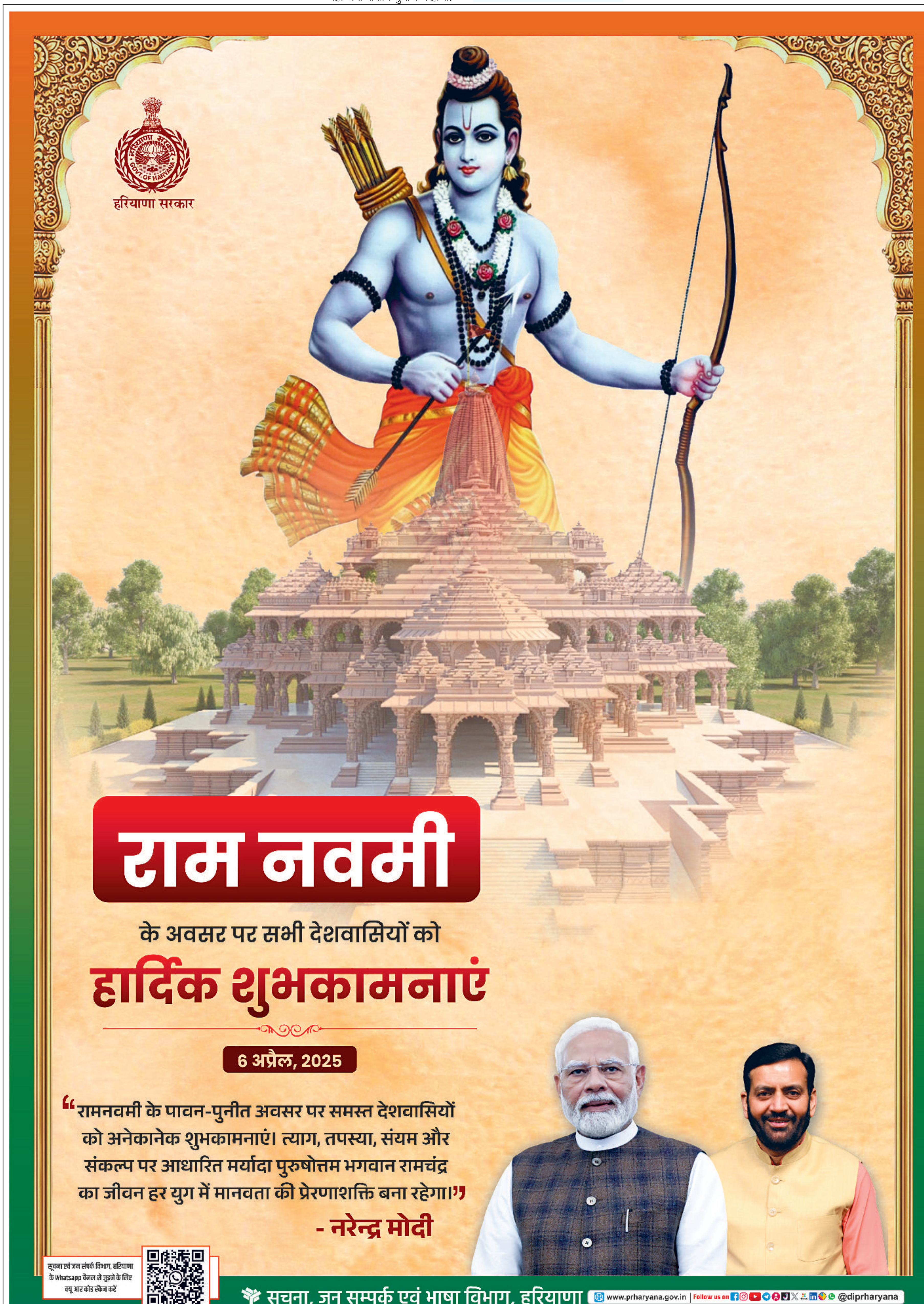

रोहतक
रविवार, 6 अप्रैल 2025
चैत्र मास शुक्ल पक्ष, नवमी वर्ष : 29, अंक : 65
पृष्ठ 14 मूल्य 3 .00
मौसम
अधि. 37.6
न्यून. 13.8

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

अंदर के पन्नों पर

सरकार ने मणिपुर में शांति के लिए मेइती-कुकी संग की बैठक पेज-5
हिंदुओं के मंदिर पानी और श्मशान एक हों : भागवत पेज-6

रोहतक में फिल्म फेस्टिवल में बोले सीएम, 2 चरणों में होगा निर्माण, सिनेमा से जुड़े कलाकारों को मिलेगा लाभ

पिंजौर में 100 एकड़ में बनेगी फिल्म सिटी, गुरुग्राम में भी प्रक्रिया जारी, रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे

रोहतक (हरिभूमि न्यूज)। रोहतक के महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (मदवि) में सिने फाउंडेशन, हरियाणा (विश्व संवाद केन्द्र) और मदवि के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय फिल्म महोत्सव के समापन समारोह में शनिवार को सीएम नायब सिंह सैनी ने कई ऐलान किए। उन्होंने कहा कि सरकार ने फिल्म जगत को बढ़ावा देने और कलाकारों को प्रोत्साहन देने के लिए 2 चरणों में फिल्म सिटी बनाने का निर्णय लिया है। पहले चरण में पंचकूला के पिंजौर में 100 एकड़ भूमि पर फिल्म सिटी बनाई जाएगी। इसके लिए जमीन निर्धारित की जा चुकी है। जल्द ही फिल्म सिटी का निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। वहीं, दूसरे चरण में गुरुग्राम में फिल्म सिटी का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए जमीन के चयन की प्रक्रिया जारी है। इससे सिनेमा जगत से जुड़े कलाकारों को न केवल फायदा, बल्कि प्रदेश में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। इस मौके पर सीएम ने श्रेष्ठ फिल्मकारों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया और विश्व संवाद केन्द्र को 21 लाख रुपये का अनुदान दिया।

कलाकारों को दिया आश्वासन

- दूरदर्शन पर हफ़्ते में एक बार हरियाणवी फ़िल्म का प्रदर्शन करने के संबंध में प्रसार भारती के साथ बातचीत करेंगे।
- दादा लखमी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स (सुपवा) को हरियाणा के प्रत्येक विश्वविद्यालय में फ़िल्म मेकिंग कोर्स शुरू करने की जिम्मेदारी दी जाएगी।
- हर स्कूल में थिएटर एजुकेशन शुरू करने के लिए भी सुपवा शिक्षा विभाग के साथ मिलकर इस दिशा में प्रयास करेगा।
- सिंगल स्क्रीन सिनेमा को पुनर्जीवित करने और क्षेत्रीय सिनेमा को बढ़ावा देने के लिए फिल्म प्रोमोशन बोर्ड बनाया है।
- फ़िल्म सब्सिडी के संबंध में 30 दिनों में लंबित पड़े सभी 5 आवेदनों की सब्सिडी का भुगतान कर दिया जाएगा।

हरियाणा फ़िल्म महोत्सव युवाओं को आगे बढ़ाने का मंच : राव

हरियाणा निवासी और हिन्दी सिनेमा के प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता राज कुमार राव ने कहा कि हरियाणा फ़िल्म महोत्सव एक ऐसा मंच है, जो युवाओं को इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि जब उन्होंने इस क्षेत्र में आगे बढ़ने की सोची थी तो उस समय इतने अवसर या इस प्रकार के मंच नहीं होते थे, इसलिए आज युवाओं को इस प्रकार के प्लेटफार्म के माध्यम से अपनी प्रतिभा को निखारना चाहिए।

सीएम ने हिसार में साइक्लोथॉन 2.0 रैली को झंडी दिखाकर रवाना किया

हरियाणा होगा नशामुक्त, गांव गांव में जाकर करेंगे जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

सरकार ने प्रदेश को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया है। युवाओं को नशे से बचाने के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को हिसार से ड्रग फ्री हरियाणा साइक्लोथॉन 2.0 रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ड्रग फ्री हरियाणा अभियान के तहत निकाली जा रही इस साइक्लोथॉन रैली के संदेश की गूंज प्रदेश के कोने-कोने तक जाएगी। यह युवा पीढ़ी को नशे के विरुद्ध जागरूक करने में अहम भूमिका निभाएगी। मुख्यमंत्री स्वयं फैकेल्टी क्लब से साइकिल चलाकर कार्यक्रम स्थल तक पहुंचे और इसके उपरांत प्रतिभागियों के साथ साइक्लोथॉन का हिस्सा बने। इस यात्रा में स्कूलों, महाविद्यालयों व अन्य शैक्षणिक संस्थानों से युवाओं के अलावा सेना, पुलिस, एनसीसी, एनएसएस तथा अन्य संस्थाओं के सदस्यों ने भाग लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी युवाओं और उपस्थितजनों को नशे के खिलाफ लड़ने के लिए शपथ भी दिलाई। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा, कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी, हिसार विधायक सावित्री जिंदल, हांसी विधायक विनोद भयाना, नलवा विधायक रणधीर पनिहार, स्वामी चिन्मयानंद, हिसार मेयर प्रवीण पोपली विशेष रूप से उपस्थित रहे।

खास बातें

- सैनी ने युवाओं को नशे के खिलाफ लड़ने के लिए दिलाई शपथ
- नशा मुक्त हरियाणा बनाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध
- तीन सप्ताह तक साइक्लोथॉन रैली हर गांव में जाएगी

आज बहुत ही गर्व का दिन

मुख्यमंत्री ने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि आज बहुत ही गर्व का दिन है। माता के नवरात्र चल रहे हैं और आज हरियाणा के युवाओं ने यह संकल्प लिया है कि हरियाणा से नशे को जड़ से समाप्त करेंगे। हरियाणा के बारे में एक प्रसिद्ध कहावत है-देसा मां देश हरियाणा, जित दूध दही का ख़ाना। हरियाणा की शान पहलवानी है, हमारा धाकड़ पहलवान, हमारा धाकड़ जवान, हमारा धाकड़ किसान, यही हरियाणा की पहचान है, इसलिए हरियाणा में नशे के लिए कोई स्थान नहीं है। नशा मुक्त हरियाणा बनाने के लिए राज्य सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। आज से अगले तीन सप्ताह तक यह साइक्लोथॉन रैली हरियाणा के एक-एक गांव में जाकर हरियाणा को नशा मुक्त करने के लिए नागरिकों को जागरूक करने का काम करेगी।

शायराना अंदाज में बताए दुष्प्रभाव

सीएम ने नशे के दुष्प्रभाव को शायराना अंदाज में बयां करते हुए कहा कि शोक बनता है पहले, फिर लत बन जाती है, धीरे-धीरे जिंदगी की कीमत घट जाती है, छोड़ दें इन जहर भरी आदतों को, वरना इससे सांसों की गिनती भी घट जाती है। यह मुहिम न केवल नई पीढ़ियों के भविष्य को अंधकारमय होने से बचाने वाली है, बल्कि हमारे सामाजिक ताने-बाने को बर्बाद करने वाले नशे रूपी शैतान पर भी प्रहार करने की है। आज इस साइकिल रैली में जो जोश और उत्साह दिखाई दे रहा है उसे देखकर विश्वास है कि हम सब मिलकर हरियाणा में नशे को खत्म करने के लिए अपने इस मिशन में अवश्य सफल होंगे।

सरकार ने देशहित में बताया

राष्ट्रपति ने दी मंजूरी, देश में लागू हुआ नया वक्फ कानून

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वक्फ संशोधन बिल को मंजूरी दी। यह बिल हाल ही में लोकसभा और राज्यसभा से पारित हुआ। शनिवार को राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद वक्फ संशोधन बिल आधिकारिक रूप से कानून बन गया है। इस नए कानून को 'वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025' के नाम से जाना जाएगा, जो वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन, पंजीकरण और सरकारी जमीनों पर दावों को लेकर सख्त नियम लागू करता है। केंद्र सरकार का कहना है कि यह कदम वक्फ बोर्ड में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने की दिशा में उठाया गया है।

वक्फ बिल के खिलाफ अब आप और राजद भी पहुंची सुप्रीम कोर्ट

कहा, यह मुसलमानों की धार्मिक स्वायत्तता को करता है कम

मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड आंदोलन करेगा

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएमबी) वक्फ संशोधन बिल को वापस लेने की मांग के साथ पूरे देश में आंदोलन करेगा। शनिवार शाम को इसका ऐलान किया है। वहीं, कांग्रेस व ओवैसी के बाद अब आम आप के विधायक अमानतुल्ला खान और लालू यादव की पार्टी आरजेडी ने भी शीर्ष कोर्ट का दवाजा खटखटाया है। अमानतुल्लाह ने याचिका में कहा कि यह मुसलमानों के खिलाफ हैं और उनकी धार्मिक स्वायत्तता को कम करता है।

विकास के लिए मुख्यधारा में लौटे

तेलंगाना में 86 नक्सलियों ने हिंसा छोड़ किया आत्मसमर्पण

भाषा ▶▶| हैदराबाद

छत्तीसगढ़ के 86 नक्सलियों ने शनिवार को तेलंगाना के भद्राद्री कोठागुडेम जिले में पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया। 4 एरिया कमेटी सदस्यों समेत 86 नक्सलियों ने नक्सलवाद का हिंसक रास्ता छोड़कर परिवार के साथ शांतिपूर्ण जीवन जीने का फैसला किया। उन्होंने मल्टी जोन-1 के आईजीपी एस चंद्रशेखर रेड्डी के समक्ष सरेंडर किया। भद्राद्री कोठागुडेम के पुलिस अधीक्षक बी रोहित राजू ने बताया कि 4 एरिया कमेटी सदस्यों पर चार-चार लाख रुपये का इनाम घोषित था। इस साल 224 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है।

परिवार के साथ शांतिपूर्ण जीवन जीने का फैसला किया

पुलिस के सामने डाले हथियार 4 पर 4-4 लाख का इनाम था

अगले चैत्र-नवरात्रि तक लाल आतंक खत्म होगा

दंतेवाड़ा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने दंतेवाड़ा में कहा कि अगले चैत्र नवरात्रि तक लाल आतंक खत्म हो जाएगा। बस्तर से नक्सलवाद खत्म होने के कगार पर है। नक्सलियों से अपील है कि वो सरेंडर करें। लोगों से कहा नक्सलियों को सरेंडर कराकर गांवों को नक्सल मुक्त बनाइए। हर गांव को एक करोड़ मिलेगा। हम बस्तर पंडुम को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाएंगे। पीएम मोदी ने करोड़ों लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला है।

एडवांस बुकिंग पर मुफ्त* चांदी का सिक्का
सोने की बढ़ती कीमतों से सुरक्षा पाएं
इस अक्षय तृतीया, केवल 10% अग्रिम भुगतान कर पसंदीदा ज्वेलरी बुक करें और पाएँ बुक की गई दर या उस दिन की मौजूदा दर – जो भी कम हो।
*शर्तें लागू
बजरंग भवन के पास, दिल्ली रोड, रोहतक
दिल्ली रोड, कैंप चौक, हिसार | कालका चौक, अंबाला शहर
ALSO AT : PATIALA | LUDHIANA | JALANDHAR | AMRITSAR | CHANDIGARH | GURUGRAM | DELHI | NOIDA | GHAZIABAD | MEERUT | BAREILLY | AGRA | DEHRADUN | LUCKNOW | KANPUR | GORAKHPUR | VARANASI | PATNA | JAIPUR | JODHPUR
Call: 09562916916 | BUY ONLINE AT: malabargoldanddiamonds.com
OVER 380 SHOWROOMS ACROSS 13 COUNTRIES
Follow us on @malabargoldanddiamonds

'भारत कुमार' को नम आंखों से विदाई

मुंबई(भाषा)। 'उपकार' और 'क्रांति' जैसी फिल्मों में देशभक्त नायक की भूमिका निभाकर 'भारत कुमार' के नाम से मशहूर हुए अभिनेता मनोज कुमार का शनिवार को पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। उपनगरीय जुहू स्थित पवन हंस श्मशान घाट में अंतिम संस्कार के वक्त अमिताभ बच्चन और सलीम खान सहित मनोरंजन जगत की प्रमुख हस्तियां मौजूद रहीं। अंतिम संस्कार के वक्त उन्हें तीन बंदूकों की सलामी भी दी गई। अंतिम संस्कार करीब 11:30 बजे शुरू हुआ और कुमार के दो बेटों विशाल और कुणाल ने अपने पिता को मुखाग्नि दी।

एलओसी पर पाकिस्तानी घुसपैठिया मार गिराया

जम्मू(एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर बीएसएफ के जवानों ने पाकिस्तानी घुसपैठिए को मार गिराया। घटना 4 और 5 अप्रैल की दरमियानी रात की है। एलओसी के प्रवक्ता ने बताया कि अब्दुलियां सीमा चौकी पर तैनात जवानों ने एक व्यक्ति को सीमा पार करते देखा। उसे चेतावनी दी गई, लेकिन वह नहीं रुका और भारतीय सीमा में घुसने की कोशिश करता रहा। सुरक्षा को देखते हुए जवानों ने उसे गोली मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घुसपैठिए की पहचान और मकसद का पता लगाया जा रहा है। घुसपैठिए के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। इससे पहले 1 अप्रैल को भी जम्मू-कश्मीर में एलओसी पर सेना ने 4-5 पाकिस्तानी घुसपैठियों को मार गिराया था।

दौरा पीएम मोदी और श्रीलंकाई राष्ट्रपति दिसानायके के बीच द्विपक्षीय वार्ता

मोदी ने श्रीलंका से मछुआरों को रिहा करने और तमिलों को हक देने को कहा

रक्षा-ऊर्जा क्षेत्र सहित भारत व श्रीलंका के बीच 7 अहम करार, बढ़ाएंगे सहयोग

कोलंबो (भाषा)। भारत और श्रीलंका ने पहली बार सैन्य क्षेत्र में गहन सहयोग के लिए एक ढांचे को संस्थागत बनाने के संबंध में शनिवार को प्रमुख रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए। पीएम नरेन्द्र मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों की सुरक्षा एक दूसरे से जुड़ी हुई है और एक दूसरे पर निर्भर हैं। यह समझौता श्रीलंका में भारतीय शांति रक्षा सेना (आईपीकेएफ) के हस्तक्षेप के लगभग चार दशक बाद हुआ है, जिससे दोनों के बीच रक्षा संबंधों में बेहतरी का संकेत मिलता है। मोदी और श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के बीच वार्ता के बाद दोनों पक्षों ने कुल 7 समझौतों पर हस्ताक्षर किए। मोदी ने दोहराया कि भारत हमेशा श्रीलंका के लोगों के साथ खड़ा रहेगा।

ये 7 समझौते हुए

- रक्षा सहयोग समझौता
- ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग
- डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन
- सोलर पावर प्रोजेक्ट
- स्वास्थ्य क्षेत्र में सहयोग
- फार्मास्युटिकल सहयोग
- सांस्कृतिक और धार्मिक जीर्णोद्धार

श्रीलंका ने मोदी को मित्र विभूषण पुरस्कार से नवाजा

श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके ने द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने में पीएम नरेन्द्र मोदी की भूमिका के लिए उन्हें 'मित्र विभूषण' पुरस्कार से सम्मानित किया। श्रीलंका का यह सर्वोच्च नागरिक सम्मान है, जिसकी शुरुआत फरवरी 2008 में तत्कालीन राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे ने की थी।

त्रिंकोमाली को ऊर्जा केंद्र के रूप में विकसित करेंगे

त्रिंकोमाली को ऊर्जा केंद्र के रूप में विकसित करने व पावर ग्रिड कनेक्टिविटी पर भी करार हुआ है। त्रिपक्षीय ढांचे के तहत त्रिंकोमाली को ऊर्जा केंद्र के रूप में विकसित करने से संबंधित समझौता में संयुक्त अरब अमीरात भी शामिल है। श्रीलंकाई राष्ट्रपति दिसानायके ने कहा कि श्रीलंका अपनी भूमि का इस्तेमाल किसी भी ऐसे तरीके से नहीं होने देगा जो भारत और क्षेत्र के सुरक्षा हितों के प्रतिकूल हो।

लिंगानुपात में यमुनानगर को पछाड़ कर फतेहाबाद प्रदेशभर में प्रथम

चरखी दादरी, गुरुग्राम, रोहतक, रेवाड़ी का लिंगानुपात सबसे कम

कुलदीप संधू ▶▶| जींद

स्वास्थ्य विभाग द्वारा लिंगानुपात को लेकर मार्च माह के आंकड़े जारी किए गए हैं। जिनमें यमुनानगर को पछाड़ कर फतेहाबाद लिंगानुपात के मामले में प्रदेशभर में प्रथम स्थान पर आ गया है। जबकि दूसरे स्थान पर झज्जर, तीसरे स्थान पर पंचकूला व यमुनानगर संयुक्त रूप से एक ही स्थान पर हैं। जबकि जींद एक छलांग लगा कर पांचवें स्थान पर आ गया है। प्रदेश का कुल लिंगानुपात 909 प्रति हजार है। प्रदेशभर में कुल 125107 बच्चों ने जन्म लिया। जिनमें मेल 65528 तथा 59579 कन्याओं ने जन्म लिया है। जींद स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगातार उन गांवों पर नजर रखी जा रही है, जहां लिंगानुपात कम है।

खास बातें

- प्रदेशभर में कुल 125107 बच्चों ने लिया जन्म, मेल 65528 तथा 59579 कन्या जन्मी
- जींद लिंगानुपात के मामले में एक छलांग लगा पांचवें स्थान पर आया

फतेहाबाद का लिंगानुपात 993 प्रति हजार

स्वास्थ्य विभाग द्वारा मार्च माह का लिंगानुपात का आंकड़ा जारी किए गए लिंगानुपात के आंकडों के अनुसार फतेहाबाद प्रथम स्थान पर है। यहां लिंगानुपात 993 प्रति हजार है। दूसरे स्थान पर झज्जर है और यहां लिंगानुपात 974, तीसरे स्थान पर पंचकूला 972, यमुनानगर 972, कुरूक्षेत्र 964 लिंगानुपात के साथ चौथे स्थार पर व जींद 944 लिंगानुपात के साथ पांचवें स्थान पर है।

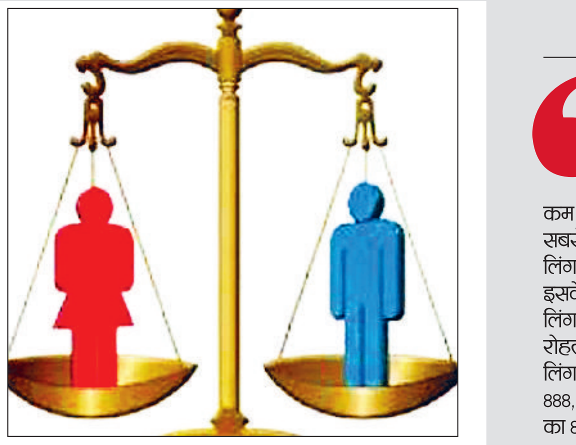

चरखीदादारी लिंगानुपात में फिसड्डी

स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी आंकडों के अनुसार चरखीदादारी का लिंगानुपात सबसे कम है और यह प्रदेशभर में सबसे निचले क्रम पर है। यहां लिंगानुपात केवल 819 है। इसके बाद गुरूग्राम है। जहां लिंगानुपात 827 है। फिर रोहतक का नंबर आता है, जहां लिंगानुपात 883 है। रेवाड़ी का 888, कैथल का 889, महेंद्रगढ़ का 890 है।

यह है प्रदेश का लिंगानुपात

जिला	मेल	फिमेल	कुल	लिंगानुपात (प्रति हजार)
फतेहाबाद	1814	1802	3616	993
झज्जर	1221	1189	2410	974
पंचकूला	1483	1441	2924	972
यमुनानगर	2680	2604	5284	972
कुरूक्षेत्र	1764	1700	3464	964
जींद	2067	1951	4018	944
पानीपत	3877	3616	7493	933
सिरसा	2426	2253	4679	929
भिवानी	2097	1934	4031	922
नूंह	7002	6434	13436	919
सोनीपत	3083	2831	5914	918
हिसार	4078	3744	7822	918
अंबाला	2449	2244	4693	916
फरीदाबाद	6118	5533	11651	904
करनाल	3126	2791	5917	893
पलवल	3571	3182	6753	891
महेंद्रगढ़	1472	1310	2782	890
कैथल	1945	1729	3674	889
रेवाड़ी	2166	1924	4090	888
रोहतक	3551	3137	6688	883
गुरुग्राम	6831	5651	12482	827
चरखी-दादरी	707	579	1286	819
कुल	65528	59579	125107	909

बिना एमसीटीएस नंबर के अल्ट्रासाउंड करना गैर कानूनी

जिला में प्रजनन और बाल स्वास्थ्य आईडी और मां व शिशु ट्रैकिंग प्रणाली (एमसीटीएस) नंबर के बिना अल्ट्रासाउंड करना गैरकानूनी किया गया जा चुका है। गर्भवतियों को गर्भधारण के तीन माह के भीतर आरसीएच आईडी और मां व एमसीटीएस में नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में पंजीकरण कराना होगा। -पीएनडीटी के प्रभारी डिप्टी सीएमओ डा. पालेराम कटारिया।

जींद में वारदात, चरित्र पर करता था संदेह

पत्नी के सिर में चटनी कूटने वाली कुंडी मारकर निर्मम हत्या

- दीवार पर दो लोगों के नाम लिख कहा, अब उनकी बारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। जांच करते हुए डीएसपी अमित भाटिया एवं दीवार पर लिखी गई धमकी।

मृतका नेहा का फाइल फोटो।

इंदिरा कालोनी नरवाना में शुक्रवार रात देर रात पति ने चरित्र संदेह के चलते पत्नी के सिर में कुंडी से वार कर निर्मम हत्या कर दी। आरोपित ने दीवार पर पत्नी से संबंध का संदेह वाले लोगों के नाम लिख कर उनकी बारी की धमकी भी लिखी है। शहर थाना नरवाना पुलिस ने मृतका की बहन की शिकायत के आधार पर आरोपित पति के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मूलतः चंदा कालोनी हाल किरायेदार इंदिरा कालोनी नरवाना निवासी सूरज ने बीती देर रात चारपाई पर सोई पत्नी नेहा (28) के सिर में पत्थर की कुंडी से वार कर निर्मम हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देकर आरोपित पति फरार हो गया। नेहा अपने पति सूरज के साथ अनबन के चलते शुक्रवार शाम को दिल्ली अपने बहन के पास से लौटी थी। मृतका शहर के निजी स्कूल में स्वीपर का कार्य करती थी। जबकि आरोपित पति राज मिस्त्री का कार्य करता है। घटना का शनिवार को उस समय पता चला जब उनके बच्चे रोने लगे। डीएसपी अमित भाटिया, शहर थाना नरवाना प्रभारी फोरेंसिक एक्सपर्ट टीम के साथ मौके पर पहुंच गई और हालातों का जायजा लिया। मृतक के सिर में पत्थर की कुंडी से एक ही स्थान पर कई वार किए गए थे।

की जा रही जांच

मृतका की बहन की शिकायत पर आरोपित पति के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपित की धरपकड़ के लिए पुलिस टीमे छापेमारी कर रही है। -जगदीश, शहर थाना नरवाना प्रभारी

नारनौल। नागरिक अस्पताल में उपचार करवाते हुए लोग। फोटो : हरिभूमि

नारनौल: बाबा के पास झाड़ा लगवाना महंगा पड़ा

मधुमक्खियों ने किया हमला 60 से 70 लोगों को काटा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

क्षेत्र में मधुमक्खियों के हमले का सिलसिला लगातार जारी है। शनिवार को भी गांव पालड़ी पनिहार में बालाजी मंदिर में झाड़ा लगवाने आए लोगों पर मधुमक्खियों ने अचानक हमला बोल दिया। मधुमक्खियों के इस हमले में मंदिर में मौजूद 60 से 70 लोगों को काटकर घायल कर दिया। मधुमक्खियां के हमले से मंदिर परिसर में अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने खेतों में भागकर अपनी जान बचाई। हमले में गांव नागल मोहनपुर निवासी सुधीर, लावण निवासी दयावती व राजावास निवासी मनीष घायल हो गए। घायलों को एंबुलेंस की सहायता से नागरिक अस्पताल लाया गया, जहां इनका इलाज चल रहा है। इसके अलावा अन्य लोगों ने आसपास के निजी अस्पतालों में अपना उपचार करवाया। लावण निवासी घायल दयावती ने बताया कि वह गांव पालड़ी पनिहारा के बालाजी मंदिर में झाड़ा लगवाने के लिए आई थी।

मंदिर परिसर में करीब 60 से 70 लोग थे। जब महाराज लोगों को झाड़ा लगा रहे थे तो अचानक मधुमक्खी हमला कर दिया। मंदिर परिसर में मौजूद महिला में पुरुष ने मंदिर के कमरों में छिपकर व खेतों में भागकर अपनी जान बचाई।

कूरियर वैन में आग, ड्राइवर व सहयोगी ने कूदकर बचाई जान

फरीदाबाद। सराय मेट्रो स्टेशन के पास एक बड़ी घटना को टाला गयाए जब एक ब्लू डार्ट कूरियर कंपनी की इको वैन में अचानक आग लग गई। यह हादसा उस समय हुआ, जब वैन अपने गंतव्य से सेक्टर 37 के पास से यूटर्न करके लौट रही थी। गनीमत यह रही कि ड्राइवर और उसका साथी समय रहते वैन से बाहर निकल आए।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

COURT NOTICE
(U/o 5 Rule 20 CPC)
IN THE COURT OF Sh. Vinay Sharma, Civil Judge (Senior Division), Jhajjar
Savitri Wd/o Bhale Ram
Vs.
1. General Public
CNR No. HRJR02-001452-2024
Next Date : 01.05.2025
PUBLICATION ISSUED TO :-
1. General Public
India
In above titled case, the defendant(s)/ respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s) / respondent(s) should appear in person or through counsel on 01.05.2025 at 10:00 a.m.
For details logon to https://highcourt chd. gov.in/?trs=district_notice&district =Jhajjar*
Sd/- Vinay Sharma, Civil Judge (Senior Division), Jhajjar
Dated, this day of 04.04.2025

PUBLIC NOTICE
This is to inform public in general that Kotak Mahindra bank Ltd has organized an auction in below mention respect of Vehicles.
VEHICLES FOR SALE
1) LCV1225623 (OCEAN LOGISTICS AND PACKERS) TATA MOTORS LPT 1109CH REG.NO.HR61D2715-YOM-2019 RESERVE PRICE -318837.6/-
UNDER HYPOTHECATION WITH M/S KOTAK MAHINDRA BANK IS UNDER SALE IN ITS "AS IS WHERE IS CONDITION" INTERESTED PARTIES CAN GIVE THEIR QUOTATIONS (ONLINE/OFFLINE) WITHIN 15 DAYS FROM THIS PAPER PUBLICATION I.E. ON OR BEFORE 21.04.2025 (PLEASE NOTE THAT CLOSING AUCTION DATE WOUD NOT BE A WEEKLY OFF / HOLIDAY).
BRANCH ADDRESS:
FIRST FLOOR, PLOT NO 406 TO 408 /28, ROOPALAY COMPLEX, D PARK, MODEL TOWN, ROHTAK 124001 OR CONTACT: MR. PRADEEP MALIK / GOVERDHAN JOSHI KOTAK MAHINDRA BANK LTD.
CONTACT NO.+91-9896009696 // 9671300231
EMAIL -pradeep.malik@kotak.com Goverdhan.Joshi@kotak.com

PUBLIC NOTICE
This is to inform public in general that Kotak Mahindra bank Ltd has organized an auction in below mention respect of Vehicles.
VEHICLES FOR SALE
1)MAHINDRA AND MAHINDRA CB MM SUPRO MAXI TRUCK (MONTI KUMAR) REG. NO.-HR46F3066-YOM-2021
2) TATA LPT 1918 (SHREE SHYAM LOGISTICS INDIA) REG. NO.-RJ32GD0784-YOM-2022
3) TATA ACE (NAVEEN) REG. NO.-HR69E3648-YOM-2022
4)ASHOK LEYLAND DOST(PARDEEP) REG. NO.-HR69E1954-YOM-2022
5) TATA LPT 1615 CAB CHASSIS GOODS (AMAYRA ENTERPRISE) REG. NO.-HR69E5318-YOM-2022
6)TATA SIGNA4923(RAKESH KUMAR) REG. NO.-HR61D9996-YOM-2018
7)MAHINDRA BLAZO37 CAB CHASSIS (M R CHEMICAL FACTORY) REG. NO.-HR67C7539-YOM-2020
8) MARUTI SUPER CARRY (ASISH KUMAR) REG. NO.-HR69E4936-YOM-2022
9) AL4019 (PAWAN RUHIL) REG. NO.-HR63D0136-YOM-2017
10) MARUTI SUPER CARRY (ANIL MADAN) REG. NO.-HR69E4465-YOM-2022
11)ASHOK_LEY AI4923(SUNIL KUMAR) REG. NO.-HR66B1989-YOM-2017
12) TATA_SIGNA_5525_BSVI_4X2 (PARDEEP SINGH) REG. NO.-HR46F9790-YOM-2022
13) BB3123RCBR (LATHWAL CONSTRUCTION CO.) REG. NO.-HR69D2328-YOM-2018
14) TATA SFC 609 CBC (BHARDWAJ-TRANSPORT AND TRAVELS) REG. NO.-HR46F7931-YOM-2020
15) BB3123RCBR (LATHWAL CONSTRUCTION CO.) REG. NO.-HR69D2328-YOM-2018
16) TATA ACE (SANGEETA RANI) REG. NO.-HR47E3160-YOM-2021
17) JCB3DX (RANBIR) REG. NO.-HR79A1965-YOM-2023
18) TATA ACE (PARAS SHARMA) REG. NO.-HR39F2441-YOM-2023
19) PRO_2114_CABIN_CHASSIS (MARUTI LOGISTICS) REG. NO.-HR61D8128-YOM-2021
20) TATA SUGNA 4825 (RAKESH) REG. NO.-HR61D8128-YOM-2021
21) TATA LPT 3118/52 COWL CHASSIS GOODS (SANDEEP) REG. NO.-HR74A9740-YOM-2015
22)TATA_SIGNA_5530(YASH KUMAR) REG. NO.-HR46F1797-YOM-2023
23) AL1815FBT (ROHIT) REG. NO.-HR69E9383-YOM-2023
24) TATA ACE (SUNNY) REG. NO.-HR46F8615-YOM-2023
25) TATA 4018FBTT (SUKHWANT SINGH) REG. NO.-HR69C3392-YOM-2016
26) TATA_HITACHI_SHINRAI_BX80_ BACKHOE_LOADER (NIHAN-INFRASTRUCTURE PRIVATE LIMITED) REG. NO.-HR06BD4437-YOM-2023
27) TATA 1612 (DHANDA - BUILDING MATERIAL SUPPLIER) REG. NO.-HR63F0518-YOM-2023
UNDER HYPOTHECATION WITH M/S KOTAK MAHINDRA BANK IS UNDER SALE IN ITS "AS IS WHERE IS CONDITION" INTERESTED PARTIES CAN GIVE THEIR QUOTATIONS (ONLINE/OFFLINE) WITHIN 07 DAYS FROM THIS PAPER PUBLICATION I.E. ON OR BEFORE 12.04.2025 (PLEASE NOTE THAT CLOSING AUCTION DATE WOULD NOT BE A WEEKLY OFF / HOLIDAY).
BRANCH ADDRESS:
FIRST FLOOR, PLOT NO 406 TO 408 /28, ROOPALAY COMPLEX, D PARK, MODEL TOWN, ROHTAK 124001 OR CONTACT :MR. GOVERDHAN JOSHI KOTAK MAHINDRA BANK LTD.
CONTACT NO. +91-9671300231
EMAIL:-Goverdhan.Joshi@kotak.com

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा 84 BNSS देखिए
मेरे समक्ष परिवाद किया नामः **हरिओम शर्मा, पुत्रः लक्ष्मी नारायण, निवासीः मकान नंबर 134, गली–3, सूर्या विहार, सहदपुर, फरीदाबाद, हरियाणा** ने अपराध किया है (या किए जाने का संदेह है) **FIR No. 707/2015 U/S 363/366A/34 IPC** के तहत एक मामला **थाना जैतपुर, दिल्ली** में दर्ज किया गया है किया है (या किए जाने का संदेह है) और उसके बाद जारी गिरफ्तारी वारंट को यह कहते हुए वापस कर दिया गया कि अभियुक्त **हरिओम शर्मा** नहीं मिला या मेरी संतुष्टि के लिए दिखाया गया है कि आरोपी **हरिओम शर्मा** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।
इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा कि **FIR No. 707/2015 U/S 363/366A/34 IPC , थाना जैतपुर, दिल्ली** के आरोपी उक्त **हरिओम शर्मा** को उक्त शिकायत का जवाब देने के लिए दिनांक **17.05.2025** को या उससे पहले अदालत के समक्ष उपस्थित होना आवश्यक है।
आदेशानुसार छवि बंसल
DP/4270/SE/2025 एल.डी. न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी,
(अदालती मामला) कमरा नं. 09, साकेत कोर्ट परिसर, नई दिल्ली

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा 82 Cr. P.C. देखिए
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आरोपी (1) आलोक पुत्र** रामफूल, **पताः** ग्राम लडरावन, तहसील. बहादुरगढ़, जिला झज्जर, **हरियाणा (2) मनोज कुमार पुत्र** श्री. रमेश चंद्र **निवासी** ग्राम परढ़ाना तहसील. इशराना जिला पानीपत, **हरियाणा FIR No: 142/2021 U/S: 419/420/ 120B/34 IPC, पुलिस थानाः क्राइम ब्रांच दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **(1) आलोक (2) मनोज कुमार,** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **(1) आलोक (2) मनोज कुमार,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।
इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **(1) आलोक (2) मनोज कुमार, FIR No: 142/2021 U/S: 419/420/ 120B/34 IPC, पुलिस थानाः क्राइम ब्रांच दिल्ली** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **10.05.2025** को या उससे पहले हाजिर हो। **आदेशानुसार**
डॉ. नूपुर गुप्ता
मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी
DP/4251/Crime/2025 कमरा नं. 516 दक्षिण पूर्व जिला
(Court Matter) साकेत कोर्ट परिसर नई दिल्ली

थानेसर के नायब तहसीलदार परमजीत को किया सस्पेंड

कुरुक्षेत्र। हरियाणा की तहसीलों में भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए सरकार अब सख्त हो गई है। सरकार ने थानेसर के नायब तहसीलदार परमजीत सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। पिछले काफी समय से राजस्व मंत्री विपुल गोयल और विभागीय अधिकारियों के पास शिकायतें आ रही थीं। निलंबन के दौरान परमजीत सिंह को सोनीपत डीसी कार्यालय से अटैच किया गया है। पटवारी राजेश को भी सरकार द्वारा निलंबित किया गया है। बता दें कि नायब तहसीलदार परमजीत सिंह व पटवारी राजेश को निलंबित करने का मामला लाडवा खंड के एक गांव से जुड़ा हुआ है। आरोप है कि नायब तहसीलदार ने गांव के दूसरे पक्ष को नहीं सुना और दूसरे पक्ष ने सीएम नायब सैनी को नायब तहसीलदार और पटवारी राजेश की शिकायत कर दी, जिसके बाद कार्रवाई की गई।

पुलिस कांस्टेबल ने फंदा लगाकर की खुदकुशी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

हरीश मधुबन पुलिस ट्रेनिंग अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहा था

शाहबाद उपमंडल के गांव पाडलू निवासी एवं हरियाणा पुलिस विभाग में कांस्टेबल के पद पर कार्यरत हरीश कुमार ने शनिवार सुबह फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना ने पूरे क्षेत्र में शोक और हैरानी की लहर दौड़ा दी है। हरीश हाल ही में कांस्टेबल पद पर चयनित हुआ था और वर्तमान में मधुबन पुलिस ट्रेनिंग अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहा था। वह एक दिन की छुट्टी लेकर शुक्रवार देर शाम घर आया था। शनिवार अलसुबह हरीश का परिवार त्रिलोकपुर माता मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए रवाना हुआ, जिसमें हरीश ने यह कहकर शामिल होने से मना कर दिया कि उसे अगली सुबह ट्रेनिंग पर वापस लौटना है। परिवार के जाने के बाद हरीश घर पर अकेला रह गया था। सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई, जब पडोसी ने हरीश का शव फंदे पर लटका हुआ देखा। ग्रामीण हरीश को तुरंत शाहाबाद के नागरिक अस्पताल में लाए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

राशिफल

मेष – किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। कारोबार के विस्तार में किसी मित्र का सहयोग मिल सकता है। स्वास्थ्य को लेकर परेशानी बनी रहेंगी।

वृष – मन में उतार–चढ़ाव रहेगा। नौकरी के परीक्षा एवं साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। आय में वृद्धि मिलेगी। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

मिथुन – पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। परिश्रम अधिक रहेगा। रहन–सहन अव्यवस्थित रहेगा। सुखद समाचार की प्राप्ति होगी।

कर्क – आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु अति उत्साही होने से बचें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती है। संतान को कष्ट होगा।

सिंह – व्यर्थ के क्रोध से बचें। सम्पत्ति में वृद्धि हो सकती है। माता का साथ मिलेगा। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अज्ञात भय से परेशान रहेंगे।

कन्या – पठन–पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। लाभ के अवसर मिलेंगे।

तुला – मन में आशा–निराशा के भाव हो सकते हैं। पिता का सानिध्य मिलेगा। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

वृश्चिक – परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। यात्रा सुखद रहेगी। खर्च अधिक रहेंगे। सेहत का का ध्यान रखें। क्रोध की अधिकता रहेगी।

धनु – मन में उतार–चढ़ाव रहेंगे। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। किसी विशेष कार्य के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। व्यर्थ की चिंता रहेंगी।

मकर – क्रोध से बचें। लेखनादि–बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। आय में वृद्धि होगी। किसी सम्पत्ति से भी धन मिल सकता है। मित्रों से भेंट हो सकती है।

कुंभ – रहन–सहन कष्टमय हो सकता है। कारोबार में सुधार होगा। परिवार का साथ मिलेगा। परिवार की किसी महिला से धन की प्राप्ति होगी।

मीन – पठन–पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च अधिक रहेंगे। भाइयों से मनमुटाव की स्थिति रहेगी।

गन्नौर में बनेगी एशिया की सबसे बड़ी फल-बागवानी मंडी, किसानों की बढ़ेगी आमदनीः मनोहरलाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

विधायक देवेंद्र की मांग पर शहर की अनाज मंडी को बाहर शिफ्ट करने का दिया आश्वासन

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि गन्नौर में एनएच-44 के साथ 537 एकड़ में अंतरराष्ट्रीय फल, फूल और बागवानी मंडी बनाई जा रही है। यह एशिया की सबसे बड़ी मंडी होगी। मंडी परिसर में 17 शेड बनेंगे। वाहनों के लिए पार्किंग और वर्कशॉप की सुविधा भी होगी।

मंडी में देश के करीब 14 राज्यों से माल पहुंचेगा। इससे रोजगार के नए रास्ते खुलेंगे। किसानों को फल और सब्जियां बेचने के लिए बड़ा बाजार मिलेगा। मंत्री खट्टर ने यह बातें शनिवार को पानीपत से दिल्ली जाते समय कहीं। वे हाईवे किनारे मन्नत हवेली पर आधे घंटे से ज्यादा रुके। यहां गन्नौर विधायक देवेंद्र कादियान ने उनका स्वागत किया। खट्टर ने कहा कि मंडी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उम्मीद है कि साल 2026 की शुरुआत में मंडी चालू हो जाएगी। काम तेजी से चल रहा है। उन्होंने हाल ही में मंडी का दौरा कर निरीक्षण भी किया। खट्टर ने कहा कि मंडी बनने से किसानों की आमदनी बढ़ेगी। वे आर्थिक रूप से मजबूत होंगे। विधायक देवेंद्र कादियान ने गन्नौर शहर की अनाज मंडी की समस्या बताई। कहा कि मंडी छोटी होने से किसानों और आढ़तियों को परेशानी होती है। सीजन में जाम की स्थिति बनती है। खट्टर ने भरोसा दिलाया कि प्रयास रहेगा कि अनाज मंडी को शहर से बाहर शिफ्ट किया जाए।

शब्द पहेली - 5828

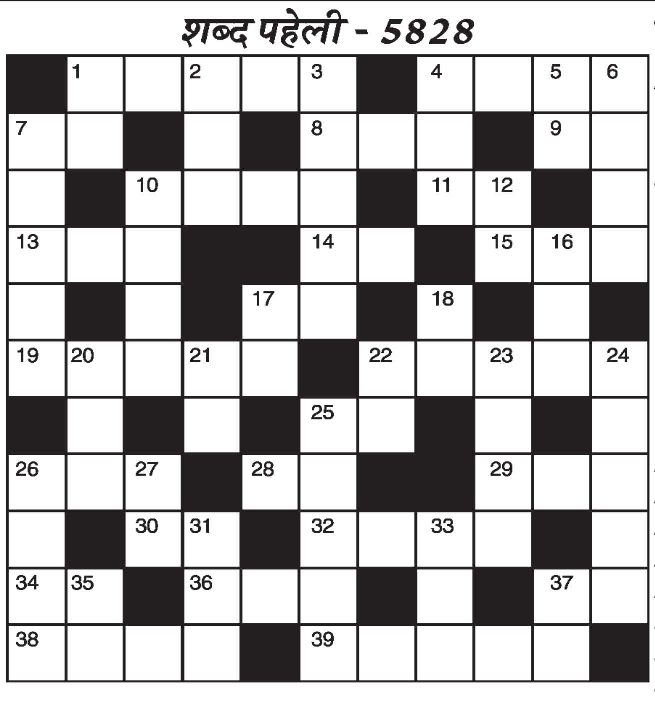

बाएँ से दाए
1. अपनापन का विलोम-5
4. हठ करना, रोना, लालसा करना-4
7. गीत (अंग्रेजी-2)
8. गलीचा, कारपेट-3
9. किनारा, छोर-2
10. झगड़ा, कहासुनी-4
11. समय, वक्त-2
13. बेबस-3
14. राष्ट्र, स्वदेश-2
15. पुत्र, लड़का-3
17. प्राप्त करना-2
19. सेंधमार-5
22. चरित्र, व्यवहार-2,3
25. जीव, दूत, जासूस-2
26. आत्मबलि देना-3
28. ताकत, जोश, बल-2
29. कराह, टीस, लालसा-3
30. वहम, संदेह-2
32. आह भरना-4
34. दूर्वा, घास-2
36. चोंगा, गाऊन-3
37. सफर, जात्रा-2
38. दयालु, कृपालु-4
39. निर्माण करने वाला-5

ऊपर से नीचे
1. पांव, पैर-2
2. भिखारी, मंगता-3
3. अस्वीकृत करना-3,2
4. माला का मोती-3
5. बुरी आदत-2
6. नाटक से परिपूण-4
7. हल्का काला, श्याम-5
10. व्यवस्थित-4
12. बुरी आदत-2
16. अनुकृति-3
17. तांबूल, पत्ता-2
18. रुखसार, कपोल-2
20. डोली अथवा पालकी उठाने वाले -3
21. जोड़, योग-2
22. चतुर्थ-2
23. आनंद ध्वनि करना-4
24. महात्मा गांधी की दांडी यात्रा-5
25. चमकीला-5
26. नीच, नराधम -4
27. विनाश, नेस्तनाबूत-2
31. रंग (अंग्रेजी-3)
33. पराजित करना-3
35. गौरेया, एक चिड़िया-2
37. दोस्त, मित्र, सखा-2

शब्द पहेली- 5827 का हल

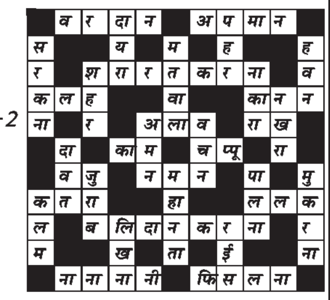

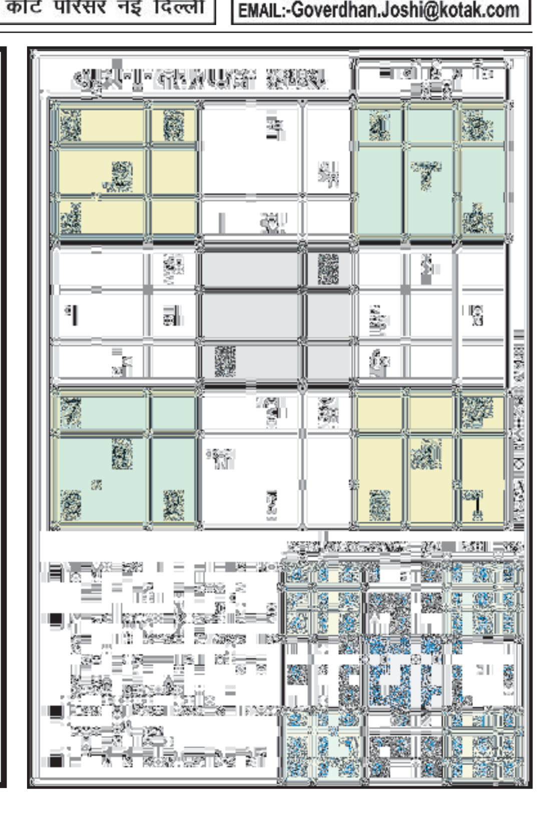

वर्ल्ड कप : सिफत ने भारत को दिलाया पहला स्वर्ण पदक

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय निशानेबाज सिफत कौर समरा ने अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में चल रहे एफ निशानेबाजी विश्व कप में महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन के फाइनल में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करके स्वर्ण पदक जीता। यह आईएसएसएफ विश्व कप में उनका पहला व्यक्तिगत स्वर्ण पदक है। फरीदकोट की रहने वाली 23 वर्षीय सिफत ने शुक्रवार देर रात टिरो फेडरल अर्जेंटीनो डी ब्यूनस आयर्स शूटिंग रेंज में सत्र के पहले विश्व कप में भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया।

ओलंपिक चैंपियन बाहर : स्विट्जरलैंड की मौजूदा ओलंपिक चैंपियन चियारा लियोन और पूर्व ओलंपिक चैंपियन नीना क्रिस्टन शीर्ष आठ में जगह नहीं बना सकीं। कजाकिस्तान की एलेक्जेंड्रिया ले और अमेरिका की मैरी टकर जैसी ओलंपिक पदक विजेता भी क्वालीफाइंग की बाधा पार नहीं कर सकी।

458.6 अंक से पहले स्थान पर

विश्व रिकॉर्ड धारक सिफत नीलिंग पोजीशन में 15 शॉट के बाद जर्मनी की अनीता मैंगोल्ड से 7.2 अंक पीछे थी। उन्होंने हालांकि इसके बाद प्रोन और स्टैंडिंग पोजीशन में स्वप्निल वापसी करके पहला स्थान हासिल किया। सिफत 45 शॉट के फाइनल के बाद 458.6 अंकों के साथ पहले स्थान पर रही, जबकि मैंगोल्ड उनसे 3.3 अंक पीछे 455.3 अंक बनाकर दूसरे स्थान पर रही। कजाकिस्तान की जूनियर विश्व चैंपियनशिप की पदक विजेता अरीना अल्तुखोवा 445.9 के स्कोर के साथ 44वें शॉट के बाद बाहर होकर तीसरे स्थान पर रहीं।

अब तक दो पदक

भारत प्रतियोगिता के पहले दिन कोई पदक नहीं जीत पाया था लेकिन अब उसके नाम पर एक स्वर्ण और एक कांस्य पदक है और वह पदक तालिका में दूसरे स्थान पर है। भारत के लिए कांस्य पदक पुरुष 3पी में चैन सिंह ने जीता था। चीन एक स्वर्ण और एक रजत के साथ शीर्ष पर है। सिफत ने क्वालीफाइंग में 590 का स्कोर बनाकर पहले स्थान पर रहते हुए फाइनल में प्रवेश किया था।

खास खबर

धोनी के माता-पिता ने देखा मैच

चेन्नई। दिग्गज एमएस धोनी के माता-पिता पान सिंह और देविका देवी की मौजूदगी ने शनिवार को चेपक में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ चेन्नई सुपर किंग्स के आईपीएल मैच को और भी खास बना दिया। धोनी 2008 में आईपीएल के पहले सत्र से चेन्नई की टीम के साथ जुड़े है और यह पहली बार है जब उनके माता-पिता आईपीएल मैच देखने पहुंचे हैं। धोनी की पत्नी साक्षी और बेटी जीवा भी मौजूद थीं, हालांकि वे अक्सर चेन्नई में आईपीएल मैच देखने जाती हैं।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
दिल्ली	3	3	0	6
बेंगलोर	3	2	1	4
गुजरात	3	2	1	4
पंजाब	3	2	1	4
कोलकाता	4	2	2	4
लखनऊ	4	2	2	4
राजस्थान	4	2	2	4
मुंबई	4	1	3	2
चेन्नई	4	1	3	2
हैदराबाद	4	1	3	2

ऑरेंज कैप

निकोलस पूरन
201 रन
लखनऊ

पर्पल कैप

नूर अहमद
10 विकेट
चेन्नई

आईपीएल : 15 साल बाद चेपॉक स्टेडियम में 25 रन से जीती दिल्ली

चेन्नई की घर में तीसरी हार, राहुल के अर्धशतक से दिल्ली की हैट्रिक जीत

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

दिल्ली कैपिटल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में शनिवार को यहां चेन्नई सुपरकिंग्स को 25 रन से शिकस्त देकर मौजूदा सत्र में तीन मैचों में लगातार तीसरी जीत दर्ज की। दिल्ली ने छह विकेट पर 183 रन बनाने के बाद चेन्नई की पारी को पांच विकेट पर 158 रन पर रोक दिया। चेन्नई की चार मैचों में यह घर में लगातार तीसरी हार है। साल 2010 के बाद दिल्ली ने पहली बार चेपॉक पर जीत दर्ज की है। कैपीटल्स के लिए लोकेश राहुल ने 51 गेंद में 77 रन की शानदार पारी खेली।

चेन्नई ने 11वें ओवर में 74 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद विजय शंकर (नाबाद 69) और दिग्गज महेंद्र सिंह धोनी (नाबाद 30) ने 57 गेंद में 84 रन की अटूट साझेदारी कर हार के अंतर को कम किया। शंकर ने 54 गेंद की नाबाद पारी में पांच चौके और एक छक्का लगाया जबकि धोनी ने 26 गेंद की नाबाद पारी में एक चौका और एक छक्का लगाया। दिल्ली के लिए विप्रज निगम ने चार ओवर में 27 रन देकर दो जबकि कुलदीप यादव, मिचेल स्टार्क और मुकेश कुमार को एक-एक सफलता मिली।

84 रनों की साझेदारी बेकार

'इम्पैक्ट सब' के तौर पर उतरे शिवम दुबे ने आक्रामक रवैया अपनाने का प्रयास किया, लेकिन वो 18 रनों के निजी स्कोर पर स्पिनर विपराज का शिकार बन गए। रवींद्र जडेजा से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन वो 2 रन बनाकर कुलदीप यादव की बॉल पर चलते बने। जडेजा के आउट होने के समय चेन्नई का स्कोर 5 विकेट पर 74 रन था. यहां से चेन्नई को जीत के लिए ताबड़तोड़ बैटिंग की जरूरत थी, लेकिन विजय शंकर और एमएस धोनी कुछ खास कमाल नहीं कर सके। दोनों के बीच 84 रनों की साझेदारी जरूर हुई।

राहुल की दमदार पारी...

टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए दिल्ली कैपटल्स ने 6 विकेट पर 183 रन बनाए। अभिषेक पोरेल और केएल राहुल ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए 54 रन जोड़कर पारी को संभाला। पोरेल ने 20 बॉल 33 रन बनाए। अक्षर और राहुल के बीच चौथे विकेट के लिए 36 रनों की साझेदारी हुई। अक्षर 21 रन बनाकर नूर अहमद की गेंद पर बोल्ड हुए। अक्षर के आउट होने के बाद समीर रिजवी ने केएल राहुल का बखूबी साथ निभाया। दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 56 रनों की साझेदारी हुई। समीर रिजवी 20 रन बनाकर खलील अहमद का शिकार बने। राहुल ने 51 गेंदों पर 77 रन बनाए।

स्कोर बोर्ड

दिल्ली कैपिटल्स	रन	गेंद	4	6
मैकगुर्क का अश्विन बो खलील	00	05	0	0
राहुल का धोनी बो पथिराना	77	51	6	3
पोरेल का पथिराना बो जडेजा	33	20	4	1
अक्षर पटेल बो नूर	21	14	2	1
रिजवी का जडेजा बो खलील	20	15	1	1
ट्रिस्टन स्टब्स नाबाद	24	12	2	1
आशुतोष रन आउट (जडेजा/ धोनी)	01	01	0	0
प्रिंज निगम नाबाद	01	02	0	0

अतिरिक्त : 06, कुल : 20 ओवर में 183/6
गेंदबाजी : खलील 4-0-25-2, चौधरी 4-0-50-0, अश्विन 3-0-21-0, जडेजा 2-0-19-1, नूर 3-0-36-1, पथिराना 4-0-31-1.

चेन्नई सुपरकिंग्स	रन	गेंद	4	6
रविंद्र का एवं बो मुकेश कुमार	03	06	0	0
कॉन्वे का अक्षर बो निगम	13	14	1	0
ऋतुराज का मैकगुर्क बो स्टार्क	05	04	1	0
विजय शंकर नाबाद	69	54	5	1
दूबे का स्टब्स बो निगम	18	15	1	1
जडेजा पगबाधा कुलदीप	02	03	0	0
महेंद्र सिंह धोनी नाबाद	30	26	1	1

अतिरिक्त : 18, कुल : 20 ओवर में 158/5
गेंदबाजी : स्टार्क 4-0-27-1, मुकेश 4-0-36-1, मोहित 3-0-27-0, निगम 4-0-27-2, कुलदीप 4-0-30-1, अक्षर 1-0-5-0

गुजरात-हैदराबाद में मुकाबला आज

हैदराबाद। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के कारण इंडियन प्रीमियर लीग में अपना विशेष स्थान बनाने वाले सनराइजर्स हैदराबाद के लिए उसकी यह आक्रामकता ही हार का कारण बन रही है। गुजरात टाइटंस के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले मैच में उसे अपनी इस शैली पर आत्ममंथन करना होगा। सनराइजर्स ने अपने पहले मैच में 286 रन बनाकर धमाकेदार शुरुआत की थी लेकिन इसके बाद उसके बल्लेबाजों की आक्रामकता नहीं चल पाई।

रॉयल्स ने पंजाब किंग्स को 50 रन से हराया

जायसवाल का अर्धशतक, आर्चर ने तीन विकेट झटके

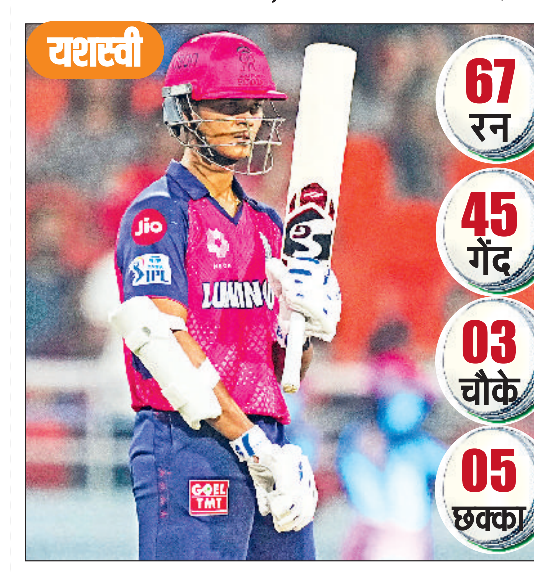

मुल्लांपुर (भाषा)। भारत के उभरते हुए स्टार यशस्वी जायसवाल (67 रन) ने समय पर फॉर्म में वापसी करते हुए बल्ले से कमाल दिखाया जिसके बाद जोफ्रा आर्चर (25 रन देकर तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी से राजस्थान रॉयल्स ने शनिवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में पंजाब किंग्स को 50 रन से हरा दिया। चेन्नई सुपर किंग्स को पिछले मैच में हराने वाली राजस्थान रॉयल्स की यह दूसरी जीत है तो वहीं पंजाब किंग्स को तीन मैच में पहली हार का सामना करना पड़ा। जायसवाल अभी तक तीन मैच में एक, 29 और चार रन ही बना सके थे। लेकिन इस 23 वर्षीय खिलाड़ी ने फॉर्म में वापसी करते हुए 44 गेंद में तीन चौके और पांच छक्के जड़ित शानदार पारी खेली जिससे राजस्थान रॉयल्स ने चार विकेट पर 205 रन का स्कोर खड़ा किया। जायसवाल और कप्तान संजू सैमसन (26 गेंद में 38 रन) ने पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर के गेंदबाजी करने के फैसले के बाद पहले विकेट के लिए 89 रन की साझेदारी करके राजस्थान रॉयल्स के इस सत्र की सर्वश्रेष्ठ शुरुआत दिलाई तो वहीं पंजाब किंग्स की शुरूआत काफी खराब रही जिसने पहले ही ओवर में प्रियांश आर्य और श्रेयस अय्यर के विकेट गंवा दिए। दोनों जोफ्रा आर्चर की गेंद पर बोल्ड हुए।

खबर संक्षेप

तिलक को रिटायर्ड करना अच्छा नहीं था

लखनऊ। मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच माहेला जयवर्धने ने कहा कि

लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ आईपीएल मैच के दौरान तिलक वर्मा को रिटायर्ड आउट करना अच्छा नहीं था। जयवर्धने ने कहा, 'क्रिकेट में इस तरह की चीजें होती रहती हैं। और उसे बाहर करना अच्छा नहीं था लेकिन मुझे ऐसा करना पड़ा। यह उस समय एक रणनीतिक निर्णय था।' वह जब 23 गेंद पर 25 रन बना कर खेल रहे थे तब मुंबई की टीम ने उन्हें रिटायर्ड आउट करवा दिया और उनकी जगह मिशेल सेंटनर को भेजा गया। मुंबई की यह रणनीति हालांकि कारगर साबित नहीं हुई और उसे 12 रन से हार का सामना करना पड़ा।

कोच द्रविड़ सर का साथ मिलना सौभाग्य की बात

मुंबई। भारत के पूर्व मुख्य कोच और राजस्थान रॉयल्स के

मार्गदर्शक राहुल द्रविड़ की देखरेख में खेलने वाले युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने कहा कि इस युग में उनके जैसा सहानुभूति के साथ देखभाल करने वाला इंसान का साथ मिलना सौभाग्य की बात है। भारतीय टेस्ट टीम के मुख्य सलामी बल्लेबाज जायसवाल राजस्थान रॉयल्स के अहम खिलाड़ी भी हैं। जायसवाल ने कहा, 'वह एक बेहतरीन इंसान हैं। मुझे लगता है कि वह एक बेहतरीन 'लीडर' है। वह एक शानदार सहायक और देखभाल करने के साथ हमेशा सभी का ख्याल रखने वाले इंसान है।

निशानेबाज नीरज को दिखाया पीला कार्ड

नई दिल्ली। भारत के पुरुष 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन निशानेबाज नीरज कुमार ब्यूनस

आयर्स में आईएसएसएफ विश्व कप के फाइनल में प्रतिस्पर्धा करते समय एक अजीब स्थिति में पहुंच गए जब प्रतियोगिता में उन्हें पीला कार्ड दिखाया गया। नीरज के मामले में पीला कार्ड दिखाया जाना हैरानी भरा था क्योंकि वह आकस्मिक विस्फोट को रोकने के लिए अपनी बन्दूक को सुरक्षित करने के लिए 'बोर लॉक' का उपयोग कर रहे थे और यह ऐसी चीज है जो निशानेबाजों द्वारा नियमित रूप से किया जाता है।

जामवाल ने विश्व कप के फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत के अभिनाश जामवाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इटली के जियानलुइगी मलंगा को हराकर ब्राजील के फोज डो इगुआकु शहर में चल रहे विश्व मुक्केबाजी कप के 65 किग्रा वजन वर्ग के फाइनल में प्रवेश किया।

इस 22 वर्षीय भारतीय मुक्केबाज ने मलंगा की पहुंच से दूर रहने के लिए अपनी लंबाई और गति का अच्छा इस्तेमाल किया। उन्होंने 5-0 के सर्वसम्मत मतों से जीत हासिल की।

पांच में से चार जजों ने जामवाल को परफेक्ट 30 अंक दिए। जामवाल इस प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी हैं। उनसे पहले गुरुवार को हितेश 70 किग्रा भार वर्ग में

फ्रांस के ओलंपियन माकन ट्राओरे को हराकर फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय बने थे। फाइनल में हितेश का मुकाबला इंग्लैंड के ओडेल कामारा से जबकि जामवाल का स्थानीय खिलाड़ी यूरी रीस से होगा। भारत के एक अन्य मुक्केबाज मनीष राठौड़ का 55 किग्रा वजन वर्ग में अभियान सेमीफाइनल में समाप्त हो गया। उन्हें कजाकिस्तान के नूरसुल्तान अल्टिनबेक से 0-5 से हार का सामना करना पड़ा।

कुछ प्रदर्शनों के आधार पर सिराज का आकलन सही नहीं

हैदराबाद। गुजरात टाइटन्स के क्रिकेट निदेशक विक्रम सोलंकी का मानना है कि फ्रेंचाइजी में शामिल होने के बाद से मोहम्मद सिराज 'असाधारण' रहे हैं और इस तेज गेंदबाज को कुछ प्रदर्शनों के आधार पर नहीं आंका जाना चाहिए।

सिराज ने अपने पिछले आईपीएल मैच में अपनी पूर्व टीम रॉयल चैलेंजर बेंगलुरु के खिलाफ 19 रन देकर तीन विकेट झटके और पांच विकेट के साथ वह आईपीएल 2025 में अब तक गुजरात टाइटन्स के दूसरे सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं। सोलंकी ने कहा, 'यह बिल्कुल वैसी ही भूमिका निभा रहे हैं, जैसी जरूरत है। वह एक बेहतरीन गेंदबाज हैं। ऐसी बातें कहना अनुचित होगा कि चीजें उनके लिए ठीक नहीं चल रही हैं। जब भी उन्हें मौका मिला है, उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। कभी-कभी हम बहुत से युवा क्रिकेटरों से काफी उम्मीद करते हैं। सिराज ने काफी कुछ हासिल किया है। कभी-कभी हम एक या दो प्रदर्शनों का आकलन करने में बहुत जल्दबाजी करते हैं, लेकिन जब से वह हमारे साथ जुड़े हैं, तब से वह असाधारण रहे हैं।'

न्यूजीलैंड ने किया पाकिस्तान का सूपड़ा साफ, सियर्स को 5 विकेट

एजेंसी ▶▶| माउंट मोनगानुई

सलामी बल्लेबाज राइस मारियू और कप्तान माइकल ब्रेसवेल के अर्धशतक तथा तेज गेंदबाज बेन सियर्स के पांच विकेट की मदद से न्यूजीलैंड ने शनिवार को यहां तीसरे और अंतिम एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में पाकिस्तान को 43 रन से हराकर तीन मैच की श्रृंखला में 3-0 से क्लीन स्वीप किया।

आउटफील्ड गीली होने के कारण यह मैच 42 ओवर का कर दिया गया। न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद आठ विकेट पर 264 रन बनाए। पाकिस्तान की टीम इसके जवाब में 40 ओवर में 221 रन बनाकर आउट हो गई।

सियर्स ने 34 रन देकर पांच विकेट हासिल करके पाकिस्तान को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाया। न्यूजीलैंड की पारी का आकर्षण अपना दूसरा वनडे खेल रहे मारियू (58) और ब्रेसवेल (59) के अर्धशतक रहे। इन दोनों के अलावा डेरिल मिचेल ने 43 रन का योगदान दिया।

इस दौरान उन्होंने एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 2000 रन भी पूरे किए। पाकिस्तान की तरफ से आकिफ जावेद सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 62 रन देकर चार विकेट लिए।

ब्राजील, पुर्तगाल और स्पेन के पूर्व फुटबॉलरों ने दी नसीहत

फुटबॉल में प्रगति के लिए ट्रेनर की शिक्षा पर ध्यान दे भारत

एजेंसी ▶▶| मुंबई

ब्राजील के 2002 विश्व कप विजेता जोस एडमिल्सन का मानना है कि भारत को फुटबाल में प्रगति के लिए अपने ट्रेनर की शिक्षा पर ध्यान देना चाहिए और युवा खिलाड़ियों की महत्वाकांक्षाओं को भी देखना चाहिए। एडमिल्सन रियल मैड्रिड और एफसी बार्सिलोना के उन स्टार खिलाड़ियों में शामिल हैं जो रविवार को यहां डीवाई पाटिल स्टेडियम में 'लीजेंड्स फेसऑफ' में खेलेंगे।

मैच में कार्लोस पुयोल, लुइस फिगो, जावी, जेवियर सावियोला, रिवाल्डो, फर्नांडो मोरिएंटेस, माइकल ओवेन और कई अन्य खिलाड़ी खेलते नजर आएंगे। मैच से पहले यहां आयोजित प्रेस कांफ्रेस में एडमिल्सन ने कहा, 'एक अच्छा फुटबॉल खिलाड़ी बनने की तकनीक हासिल करने से पहले कई तरह की चीजों से निपटना होता है। भारत को ट्रेनर की शिक्षा पर ध्यान देना होगा और बच्चों की महत्वाकांक्षाओं पर भी ध्यान देना होगा। एक अच्छा खिलाड़ी बनाने से पहले उन्हें एक अच्छा इंसान बनाना होगा। और यह बहुत महत्वपूर्ण है। कई जगहों पर बच्चे खिलाड़ी बनने का सपना देखते हैं। लेकिन इससे पहले समाज की कई समस्याओं का समाधान करना होगा।'

रोनाल्डो टफ डिफेंडर

पेपे ने कहा कि अर्जेंटीना के सुपरस्टार लियोनेल मेसी की तुलना में पुर्तगाल टीम के उनके साथी क्रिस्टियानो रोनाल्डो डिफेंडर के रूप में मुश्किल खिलाड़ी थे। उन्होंने कहा, 'मुझे क्रिस्टियानो रोनाल्डो का नाम लेना होगा क्योंकि मैं उनके साथ ट्रेनिंग करता हूं। मुझे पता है कि उनके खिलाफ कितना मुश्किल है। क्रिस्टियानो एक ऐसे फुटबॉलर रहे हैं जिन्होंने संघर्ष किया है और रियल मैड्रिड को बहुत कुछ दिया है। उन्होंने मैनचेस्टर युनाइटेड, युवेंटस, पुर्तगाली राष्ट्रीय टीम को बहुत कुछ दिया है। उन्होंने हमेशा बहुत सारे मैच जीते हैं। मुझे पता है कि उनके साथ ट्रेनिंग करना कैसा होता है। उन्होंने बहुत मेहनत की है।'

रियल-बार्सिलोना की दिखेगी प्रतिद्वंद्विता

अर्जेंटीना के सावियोला रियल मैड्रिड और बार्सिलोना दोनों के लिए खेले हैं। उन्होंने कहा कि वह भारतीय प्रशंसकों के सामने खेलने के अवसर से उत्साहित हैं। सावियोला ने कहा, 'इस प्रतिद्वंद्विता को भारतीय प्रशंसकों के सामने लाने का मौका बहुत भावनात्मक है। भले ही मैं अब पेशेवर नहीं हूं, लेकिन मैं कभी भी फुटबॉल से दूर नहीं रहता। मुझे उम्मीद है कि यह मैच भारतीय फुटबॉलरों और सपने देखने वालों की एक पूरी नई पीढ़ी को प्रेरित करेगा।'

ऋषभ पंत और दिग्वेश पर लगा भारी जुर्माना

एजेंसी ▶▶| लखनऊ

लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत पर मुंबई इंडियंस के खिलाफ शुक्रवार को यहां खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग मैच के दौरान धीमी ओवर गति के लिए 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। किसी भी गेंदबाजी टीम के लिए 20 ओवर पूरे करने का निर्धारित समय 90 मिनट है।

लखनऊ की टीम निर्धारित समय से एक ओवर पीछे चल रही थी। इस कारण उसे अंतिम ओवर में 30 गज के बाहर एक क्षेत्ररक्षक कम रखने के लिए मजबूर होना पड़ा। इस बीच लखनऊ के स्पिनर दिग्वेश राठी पर लगातार दूसरी बार उनकी मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना

लगाया गया है। उन्होंने मुंबई के बल्लेबाज नमन धीर को आउट करने के बाद फिर से नोटबुक लिखने की शैली में जश्न मनाया। उनके खाते में एक और डिमैरिट अंक जोड़ दिया गया है। इस तरह से उनके नाम पर अब दो डिमैरिट अंक जमा हो गए हैं।'

वक्फ संशोधन विधेयक पर देश में हंगामा मचा हुआ है। विधेयक के दोनों सदनों में पास हो जाने के बाद से विपक्ष हायतौबा मचा रहा है, तो कई मुस्लिम संगठन सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे हैं। जबकि, वक्फ कानून में संशोधन एक लोकतांत्रिक और समानता के सिद्धांत के विरुद्ध, मजहब का अंग न होते हुए भी इस्लाम के नाम पर कुछ शक्तिशाली प्रभुत्वशाली मुस्लिम पुरुषों के एकाधिकार और निरंकुशता के ढांचे को ध्वस्त कर उसे वक्फ की मूल सोच के अनुरूप संविधान की परिधि में लोकतांत्रिक ढांचे में परिणत करने का प्रगतिशील कदम है। ऐसे ढांचे को संसदीय व्यवस्था के तहत ध्वस्त करना जिसको सरकारें बदलाव की आवश्यकता महसूस करते हुए भी स्पर्श करने तक से बचती हो, निस्संदेश ऐतिहासिक और युगांतरकारी कदम है। वक्फ की संपत्ति पर इस्लाम की मान्यता के अनुसार गरीब विधवाओं, तलाकशुदा महिलाओं तथा आनाथों का अधिकार है। वक्फ संशोधन विधेयक का उद्देश्य भी मुस्लिम समाज की भलाई के लिए है और निश्चित रूप से पूर्व के कानूनों की भांति ही इसके विरोध में फैलाया जा रहा झूठा भ्रम अधिक समय तक नहीं टिक पाएगा। वक्फ इस्लाम का अंग है, लेकिन संविधान और कानून के तहत सरकारों द्वारा गठित वक्फ बोर्ड और वक्फ ट्रिब्यूनल इस्लाम का विषय नहीं हो सकता। वक्फ संशोधन को लेकर पेश है आजकल का यह अंक...

वक्फ विधेयक बदले भारत का प्रमाण

विश्लेषण

अवधेश कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

संसद में पारित हर कानून की न्यायिक समीक्षा का अधिकार उच्चतम न्यायालय को वक्फ और वहां नए वक्त कानून की संवैधानिकता पर निर्णय आ जाएगा। किंतु विधेयक पर राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के पहले ही यानी कानून बना नहीं और उच्चतम न्यायालय पहुंच जाना किस बात का द्योतक है? ऐसे कानून, कदम या सुधार, जिनके साथ मुस्लिम समुदाय जुड़ा हो, उसके विरुद्ध भारत में ऐसी प्रतियोगिता आम हो चुकी है। एक साथ तीन तलाक, नागरिकता संशोधन कानून और अनुच्छेद 370 हटाए जाने के विरुद्ध भी हमने यही देखा। इन सभी मामलों की न्यायिक परिणति देश के सामने है। इन पार्टियों ने दोनों सदनों में वक्फ संशोधन विधेयक का समर्थन किया है।

वक्फ संशोधन के विरुद्ध उच्चतम न्यायालय में याचिकाओं की प्रतिस्पर्धा शुरू हो चुकी है। दोनों सदनों में पारित होने के अगले दिन से ही उच्चतम न्यायालय में याचिकाएं जाने लगीं और आप देख सकते हैं कि इस बात की होड़ लगी है कि कौन इसमें किसको पीछे छोड़ रहा है। कांग्रेस के संचार प्रमुख जयराम रमेश ने उच्चतम न्यायालय में जाने की घोषणा कर दी है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड पहले ऐलान कर चुका था। संसद में पारित हर कानून की न्यायिक समीक्षा का अधिकार उच्चतम न्यायालय को वक्फ और वहां नए वक्त कानून की संवैधानिकता पर निर्णय आ जाएगा। किंतु विधेयक पर राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के पहले ही यानी कानून बना नहीं और उच्चतम न्यायालय पहुंच जाना किस बात का द्योतक है? ऐसे कानून, कदम या सुधार, जिनके साथ मुस्लिम समुदाय किसी तरह जुड़ा हो, उसके विरुद्ध भारत में ऐसी प्रतियोगिता आम हो चुकी है।

एक साथ तीन तलाक, नागरिकता संशोधन कानून और जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के विरुद्ध भी हमने यही देखा। इन सभी मामलों की न्यायिक परिणति देश के सामने है। दूसरी ओर बिहार में जदयू, उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय लोकदल आदि के विरुद्ध दबाव डालने की कोशिश हो रही है।

दबाव बढ़ाने की खतरनाक रणनीति

मुसलमानों का एक बड़ा समूह सड़कों पर उतर रहा है, पार्टियों में दबाव डालकर कुछ इस्तीफा करवा रहा है और बयान दे रहा है कि चुनाव में सबक सिखा देंगे। संसद में बहस और मतदान के पूर्व नीतीश कुमार, चंद्रबाबू नायडू आदि के इफ्तार के बहिष्कार का भी आह्वान किया गया। यह भी दबाव बढ़ाने की खतरनाक रणनीति थी। बावजूद इन पार्टियों ने दोनों सदनों में खुलकर वक्फ संशोधन विधेयक का समर्थन किया और उसके पक्ष में विपक्ष के आरोपों का आक्रामक खंडन करते हुए तथ्य और तर्क प्रस्तुत किया। हमारे सामने दो दृश्य दूसरे भी हैं। लोकसभा में बहस के पूर्व सभी पार्टियों ने ह्वीप जारी कर दिया था। किंतु राज्यसभा में गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट घोषणा की कि हमारे सांसद स्वतंत्र हैं, ह्वीप नहीं है, वे जैसे चाहें मतदान करें। इसके बावजूद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के संख्या बल से ज्यादा मत विधेयक के समर्थन में प्राप्त हुए। आखिर इसके कोई निहितार्थ है या नहीं? इसके साथ हमने यह भी देखा कि दोनों सदनों में बहस और मतदान के दौरान देश में समर्थन और विरोध दोनों में मुसलमान उतरे। निष्पक्ष आकलन यही है कि उन दो दिनों में समर्थकों की संख्या भी काफी ज्यादा थी। कई जगह तो विरोध करने वालों से ज्यादा समर्थक सड़क पर थे। अलग-अलग धार्मिक संस्थाओं और संगठनों ने खुलकर विधेयक का समर्थन किया। इनमें वे मुस्लिम मजहबी नेता और संस्थाओं के प्रमुख शामिल थे जो पहले वक्फ में किसी प्रकार के संशोधन का घोर विरोध करते थे, तो इसके भी मायने हैं। तो यही बदले हुए भारत का प्रमाण है। यानी आप न्याय करने की दिशा में संकल्प के साथ आगे बढ़ते हैं तो भ्रम और विरोध कमजोर होते-होते समर्थन बढ़ता है। वास्तव में अभी जो विरोध दिख रहा है वह बिल्कुल अनपेक्षित नहीं है। जब भी आप ऐसे विषयों पर सुधार और परिवर्तन के संवैधानिक कानूनी कदम उठाते हैं तो भारत जैसे देश में इसके विरुद्ध प्रचार और रोकने की कोशिश पहली बार नहीं है। वक्फ कानून, उससे संबंधित बोर्ड और न्यायाधिकरण को मुस्लिम वोट पाने की नीति के तहत जिस तरह सुपर सरकार, सुपर प्रशासन और सुपर न्यायपालिका की भूमिका दे दी गई थी, उस ढांचे में लाभान्वित सम्मानित होने वाले तथा उसका आनंद सुख भोगने वालों के अंदर छटपटाहट स्वाभाविक है।

वक्फ कानून में संशोधन क्यों जरूरी था

सच यह है कि वक्फ कानून में संशोधन क्यों नहीं होना चाहिए था या संशोधन में क्या असंवैधानिक, इस्लाम विरोधी, मुस्लिम विरोधी है, इसका कोई एक तथात्मक उत्तर विपक्ष के किसी भी नेता द्वारा संसद में नहीं मिला। जब राज्यसभा सांसद अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि यह कानून उच्चतम न्यायालय में समाप्त हो जाएगा तो सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि सदन के अंदर इस प्रकार की भाषा संसद का अपमान है। इसी तरह जब एक सदस्य ने कहा कि मुसलमान इस कानून को नहीं मानेगा, तब केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि यह संसद द्वारा बनाया गया कानून है, सबको मानना पड़ेगा। वास्तव में संसद अगर प्रक्रिया के तहत कोई कानून पारित करती है तो यह भारत के सभी क्षेत्रों और व्यक्तियों पर समान रूप से लागू होता है। कांग्रेस नेत्री सोनिया गांधी ने लोकसभा में विधेयक पारित होने की प्रक्रिया को बहुमत के द्वारा संविधान का अतिक्रमण और लोकतंत्र के गला घोंटने के समान बता दिया। यह समझ से परे है। लोकसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रिकॉर्ड रखते हुए बताया कि संप्रग सरकार ने 2013 में सिर्फ चार घंटे की चर्चा के बाद वक्फ संशोधन विधेयक पास कर दिया था, जबकि इस बार दोनों सदनों में करीब 27 घंटे से ज्यादा का समय लगा। 3 अप्रैल को 11 बजे से आरंभ राज्यसभा की कार्यवाही अगले दिन सुबह 4 बजे तक चली। संयुक्त संसदीय समिति ने 113 घंटे की चर्चा, 25 वक्फ बोर्डों से संवाद, 15 राज्यों के प्रतिनिधियों से संवाद, विभिन्न समुदायों के राज्य धारकों के कुल 284 प्रतिनिधिमंडलों ने समिति के समक्ष अपने विचार और सुझाव प्रस्तुत किए एवं 92 लाख से ज्यादा सुझाव पर विचार के बाद विधेयक तैयार हुआ। जरा सोचिए, यह प्रक्रिया लोकतंत्र और संविधान का गला घोंटने वाला हो गया और संप्रग के चार घंटे में पारित कानून लोकतंत्र और संविधान का पालन करने वाला था?

वक्फ संपत्तियों का दावा बेमानी

पुराने वक्फ कानून और उसके ढांचे पर इतना कुछ कहा जा चुका है कि उसको दोहराने की आवश्यकता नहीं। वक्फ ने जिस तरह पूरे देश में संपत्तियों का दावा कर उन्हें कब्जे में लिया, उसकी बहुत सारी कथाएं रिकॉर्ड में सामने हैं। यह कैसी संवैधानिक व्यवस्था थी जिसमें वक्फ किसी संपत्ति पर दावा कर दे तो वक्फ ट्रिब्यूनल के अलावा आप कहीं नहीं जा सकते। वहां भी संपत्ति आपकी है, यह आपको ही साबित करना होगा। ट्रिब्यूनल बरसों लगा देगा और उसके फैसले को आप सिविल न्यायालय में चुनौती नहीं दे सकते। यानी आपकी संपत्ति गई। इसमें हिंदू और मुसलमान दोनों के साथ सार्वजनिक सरकारी संपत्तियां भी शामिल हैं।

दूसरे की संपत्ति पर दावा कैसे संभव है

गृह मंत्री ने सदन में रिकॉर्ड पर कहा कि कोई गांव या शहर से बाहर नौकरी करने चला गया और उसकी संपत्ति वक्फ कर दी गई। वह जितना भी छटपटाये, वापसी के रास्ते नहीं। वक्फ एक अरबी शब्द है। इस्लाम किसी को दीन और बेसहारा के लिए अपनी संपत्ति के वक्फ करने की इजाजत देता है। इस पर न रोक है, न हो सकती है। वक्फ में कोई बदलाव नहीं है। किंतु हम अपनी संपत्ति वक्फ में रजिस्ट्री करा सकते हैं, दूसरे की संपत्ति पर कैसे दावा कर सकते हैं? फिर सरकार कैसे संपत्ति वक्फ कर सकती है। आप देखेंगे कि यूपीए सरकार के सत्ता में आने के बाद सच्चर आयोग की नियुक्ति और उसकी रिपोर्ट के बाद पूरे देश में अलग से इस्लामी ढांचा स्थापित करने की प्रक्रिया में केंद्र और राज्य सरकारों ने अनेक संपत्ति वक्फ बोर्डों को दे दी। निश्चित रूप से उच्चतम न्यायालय में सारे मामले जाएंगे।

हमारी आपकी या किसी मंदिर की जमीनों के कागजात, राजस्व आदि का विषय तो जिला कलेक्टर के अधीन होगा किंतु वक्फ का नहीं हो यह कैसे कानून का पालन माना जाएगा? आज भी यही मांग है। वक्फ इस्लाम का अंग है, लेकिन भारत के संविधान और कानून के तहत सरकारों द्वारा गठित वक्फ बोर्ड और वक्फ ट्रिब्यूनल इस्लाम का विषय नहीं हो सकता। उसे हमारे संविधान और कानून के अंतर्गत ही काम करना होगा। बोर्ड में महिला सदस्य होने की अनिवार्यता के विरोध के पीछे वही सोच है जिसके तहत तीन तलाक मामले पर पर्सनल लॉ बोर्ड में उच्चतम न्यायालय में दायर शपथ पत्र में महिलाओं को कम अक्ल वाला लिखा था। कोई संपत्ति जिस उद्देश्य के लिए दान हुई है वह उसी उद्देश्य में जा रहा है या नहीं तथा वाकई वक्फकर्ता स्वेच्छा से ऐसा किया है या दबाव डालकर कराया गया, इसकी देखरेख की जिम्मेवारी तो प्रशासन की ही है। जिस संस्था में लगभग 41 हजार विवाद हों और उनमें 10 हजार मुसलमानों द्वारा किए गए हो, उस ढांचे को कायम नहीं रखा जा सकता था।

विधेयक ऐतिहासिक और युगांतरकारी कदम

वास्तव में वक्फ कानून में संशोधन एक लोकतांत्रिक और समानता के सिद्धांत के विरुद्ध, मजहब का अंग न होते हुए भी इस्लाम के नाम पर कुछ शक्तिशाली प्रभुत्वशाली मुस्लिम पुरुषों के एकाधिकार और निरंकुशता के ढांचे को ध्वस्त कर उसे वक्फ की मूल सोच के अनुरूप संविधान की परिधि में लोकतांत्रिक ढांचे में परिणत करने का प्रगतिशील कदम है। ऐसे ढांचे को संसदीय व्यवस्था के तहत ध्वस्त करना जिसको सरकारें बदलाव की आवश्यकता महसूस करते हुए भी स्पर्श करने तक से बचती हो, निस्संदेश ऐतिहासिक और युगांतरकारी कदम है। वक्फ की संपत्ति पर इस्लाम की मान्यता के अनुसार गरीब विधवाओं, तलाकशुदा महिलाओं तथा आनाथों का अधिकार है। वक्फ की संपत्ति का उपयोग करने वाले मस्जिदों और मजारशरीफों का नियंत्रण करते हैं जबकि ऐसे लोगों में से कुछ बाहर भीख मांगते हैं। अब इस दौर का अंत होगा तथा गरीब, वंचित, पसमांदा , महिलाएं सब इस्लाम की धारणा के अनुसार वक्फ के सही उपयोग में भूमिका निभा सकेंगे। वक्फ ने पुराने मामलों के संदर्भ में बदलाव नहीं किया है लेकिन जिन पर विवाद है वे कायम रहेंगे। रिकॉर्ड में और ऑनलाइन आते ही सब कुछ पारदर्शी होगा। वक्फ के नाम पर हुए अन्याय के निराकरण का रास्ता प्रशस्त होगा और पीड़ितों को न्याय प्राप्त होने की ठोस संभावना बनेगी। ऐसे मामलों का सच देश के सामने होगा और इस समय इस्लाम के नाम पर हंगामा खड़ा करने वालों के चेहरे भी बेनकाब होंगे। दोनों सदनों में गृह मंत्री अमित शाह द्वारा रखे गए तथ्य, विचार और तेवर की गंभीरता को देखते हुए किसी को मुगालता नहीं होना चाहिए कि इस कानून का उल्लंघन करने का कोई साहस करेगा। यद्यपि भूमि या ऐसे मामले राज्यों के विषय हैं तो अलग-अलग राज्यों का तंत्र सरकारों की राजनीतिक नीति के अनुसार काम करेगा और इनमें समस्याएं आएंगी। किंतु कोई वक्फ के दावों के विरुद्ध किसी पीड़ित व्यक्ति को न्यायालय जाने से नहीं रोक सकता। सिविल न्यायालय में व्यक्ति की सही पहचान और कानून के अनुसार ही फैसला होगा।

मुस्लिम समुदाय के लिए ऐतिहासिक कदम

वक्फ विधेयक

प्रो. निरंजन कुमार

सीनियर प्रोफेसर, हिंदी विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

वक्फ संशोधन विधेयक, जो हाल ही में संसद में पारित किया गया, आम भारतीय मुस्लिम समुदाय के लिए एक ऐतिहासिक कदम है। इस विधेयक का उद्देश्य वक्फ सम्पत्तियों के संचालन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है, जिससे आम मुस्लिम आदमी और पूरे समाज को सीधे लाभ हो सके। निश्चित रूप से यह विधेयक वक्फ सम्पत्तियों के दुरुपयोग और इनके प्रबंधन में सुधार के लिए एक सार्थक और दूरगामी प्रयास है, जो न केवल गरीब मुसलमानों के लिए, बल्कि पूरे देश के हित में भी है। दुर्भाग्य से पिछले कई दिनों से वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर आम मुस्लिम समुदाय के बीच एक नकारात्मक माहौल तैयार किया जा रहा है।

वक्फ सम्पत्तियों का दुरुपयोग

यह सर्वविदित है कि वक्फ एक इस्लामी अवधारणा है, जिसका अर्थ है किसी संपत्ति को अल्लाह के नाम पर स्थायी रूप से दान करना। इस संपत्ति का उपयोग विशेष उद्देश्यों के लिए किया जाता है- जैसे मस्जिदों की देखरेख, गरीबों की मदद, शिक्षा और चिकित्सा आदि सुविधाओं के लिए। लेकिन ऑडिट और पारदर्शिता के अभाव में वक्फ सम्पत्तियों का दुरुपयोग होता रहा है। वक्फ बोर्ड के अधिकारी और मुस्लिम समुदाय के कुछ स्वयंभू नेता इन सम्पत्तियों का अनैतिक और अनुचित इस्तेमाल करते रहे हैं। इस दुरुपयोग के कारण वक्फ की भावना के विपरीत आम मुस्लिमों को वह लाभ नहीं मिल पाता, जो वक्फ का उद्देश्य है। वर्तमान में वक्फ सम्पत्तियों का प्रशासन और प्रबंधन वक्फ बोर्ड के द्वारा किया जाता है. लेकिन यह बोर्ड अक्सर पारदर्शी नहीं होता, और भ्रष्टाचार की खबरें आती रही हैं। इसके परिणामस्वरूप, जो धन और संसाधन धार्मिक और समाजसेवी कार्यों के लिए होना चाहिए था, वह गलत हाथों में चला जाता है। भारत में वक्फ संपत्तियों की संख्या को देखें तो यह बहुत अधिक है। हालिया सर्वेक्षण के अनुसार वक्फ संपत्तियों की संख्या 8.72 लाख से अभी अधिक है। यहां प्रश्न उठता है कि क्या वास्तव में इस्लाम की इस उदात्त अवधारणा के अनुसार ही वक्फ सम्पत्तियों का उपयोग सामाजिक कल्याण हेतु हो पा रहा है? क्या आम मुस्लिम समुदाय के लोगों को प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से मौजूदा व्यवस्था के तहत कोई लाभ मिल रहा है? वास्तव में इन प्रश्नों का उत्तर न में ही है। संसद के दोनों सदनों में इस विधेयक पर लंबी चर्चाओं के बाद इस विधेयक को समर्थन भी मिल गया किन्तु देशभर में एक खास तरह का माहौल इस विधेयक के खिलाफ बनाया जा रहा है। वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर कुछ राजनीतिक दल और मुस्लिम नेताओं ने इसे मुस्लिम समुदाय के खिलाफ एक साजिश बताया, लेकिन यदि गहराई से पड़ताल करें तो यह बात तथ्यात्मक रूप से गलत है।

समाज में भ्रम फैला रहे कुछ लोग

वास्तव में, यह विधेयक तो व्यापक मुस्लिम समुदाय को उनके अधिकारों और सम्पत्तियों का सही लाभ दिलाने के लिए है। याद कीजिए, नागरिकता संशोधन कानून और तीन तलाक से सम्बंधित कानून के मामलों को। राजनीतिक स्वार्थ के कारण विभिन्न नेताओं ने इन दोनों

कानूनों का विरोध किया और समाज में भ्रम फैलाया। नागरिकता कानून के समय मुसलमानों के मन में यह भय बिठाया गया कि इस कानून से उनकी नागरिकता छिन जाएगी। जबकि वास्तव में यह कानून कुछ पड़ोसी देशों के पीड़ित लोगों को नागरिकता देने के लिए था। भारत के नागरिकों पर इसका कोई नकारात्मक परिणाम नहीं पड़ना था। उसी तरह तीन तलाक कानून के समय भी तथाकथित सेक्युलर दलों और मठाधीश नेताओं ने इसका खूब विरोध किया जबकि वास्तव में यह कानून मुस्लिम महिलाओं के हक में, उन्हें शोषण से मुक्त करने के लिए था।

ठीक उसी प्रकार वक्फ संशोधन विधेयक का उद्देश्य भी मुस्लिम समाज की भलाई के लिए है और निश्चित रूप से पूर्व के कानूनों की भांति ही इसके विरोध में फैलाया जा रहा झूठा भ्रम अधिक समय तक नहीं टिक पाएगा। वर्तमान वक्फ संशोधन विधेयक मुसलमानों के स्वयम्भू नेताओं के लिए निश्चित रूप से एक झटका है क्योंकि इस कानून के लागू होते ही वक्फ़ सम्पत्ति पर इनके अनैतिक स्वामित्व पर चोट पड़ेगी और वक्फ़ की आड़ में हुए भ्रष्टाचार की कलई लोगों के समक्ष आ जाएगी। पूर्व के प्रावधानों में इस तरह विसंगतियां हैं कि सरेआम दुरुपयोग किये जाने पर भी राहत की कोई गुंजाइश नहीं है। अनेक ऐसे उदाहरण मौजूद हैं जिनमें व्यक्तिगत संपत्ति से लेकर सरकारी जमीन के साथ-साथ मंदिरों, गुरुद्वारों, चर्च या बौद्ध विहारों तक की संपत्तियों पर वक्फ बोर्ड कब्जा करता रहा है। प्रयागराज में हजारों सालों से मनाए जा रहे कुंभमेला की जमीन पर दावा ठोंकने का उदाहरण हो, या केरल के एर्नाकुलम जिले में मुनंबम और चेराई क्षेत्रों में 404 एकड़ की ईसाई और चर्च संपत्तियों पर वक्फ बोर्ड के दावे की बात हो, देश के विभिन्न क्षेत्रों में इस तरह के विवाद होते रहे हैं। खतरनाक बात यह थी कि वक्फ के अनुचित दावे को न्यायालय में चुनौती भी नहीं दी जा सकती थी, जो कि संविधान की भावनाओं का खुल्लम-खुल्ला उल्लंघन था। भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में राष्ट्र या जनहित में जब कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका के किसी भी क्रिया-कलाप तक पर प्रश्न किये जा सकते हैं। ऐसे में वक्फ जमीन पर प्रश्न ही न कर पाना वास्तव में मौजूदा प्रावधान की सबसे बड़ी खामी रही है।

किसी की सम्पति पर दावा गलत

इसका दुरुपयोग कर किसी भी जमीन पर दावा ठोंकना हो या वक्फ संपत्ति का कुछ गिने चुने लोगों द्वारा निजी स्वार्थ हेतु उपयोग किया जाना हो, ऐसी घटनाएं मीडिया में आती रहती हैं। यह न सिर्फ प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत के विरुद्ध है बल्कि उस व्यक्ति के संवैधानिक अधिकार का भी हनन है जिसकी सम्पति पर वक्फ का दावा ठोंक दिया गया हो। याद रहे कि राजद नेता लालू यादव ने भी एक समय अवैध वक्फ दावों पर चिंता जताई थी। प्रश्न उठाया जा सकता है कि भारत जैसे पंथनिरपेक्ष राष्ट्र में वक्फ़ बोर्ड या वक्फ़ जैसी सम्पत्तियों का प्रविधान है, जबकि विभिन्न इस्लामिक देशों में वक्फ़ जैसी कोई सम्पत्ति नहीं है। कई देशों में वक्फ जैसी कोई सम्पत्ति नहीं है। फिर भी यदि भारत में वक्फ़ सम्पत्ति का प्रावधान कर ही दिया गया है, तो इन सम्पत्तियों का प्रयोग सामाजिक कल्याण में हो, यह सुनिश्चित करने के लिए यदि कानून में कोई संशोधन हो तो निश्चित रूप से इसका स्वागत करना चाहिए। यह संतोषजनक है कि आल इंडिया मुस्लिम जमात के मौलाना या पसमांदा मुसलमान से लेकर सिख, ईसाई एवं बौद्ध समाज के लोगों ने इस विधेयक का स्वागत किया है। यह विधेयक न केवल वक्फ सम्पत्तियों के प्रबंधन में सुधार करेगा, बल्कि आम मुसलमानों के साथ-साथ अन्य धर्मों के लोगों को उनके अधिकार दिलाएगा। संकीर्ण स्वार्थों के लिए इसका विरोध आम जनहित में तो नहीं ही है, विरोध कर रहे उन राजनेताओं के हित में भी नहीं है क्योंकि पब्लिक सब जानती है।

वक्फ एक्ट में संशोधन पर घमासान क्यों

दो टूक

रवि शंकर

वरिष्ठ पत्रकार

देशभर में वक्फ को लेकर इस समय खासी चर्चा है। तमाम विरोध के बावजूद वक्फ संशोधन विधेयक संसद के दोनों सदनों से पारित हो गया है। सत्ता पक्ष जहां इस विधेयक के फायदे गिना रहे हैं, वहीं विपक्ष वक्फ संशोधन विधेयक को संविधान विरोधी बता रहा है। कांग्रेस ने तो यहां तक कहा कि वह संसद में पारित 'वक्फ (संशोधन) विधेयक की संवैधानिकता को बहुत जल्द सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी। हालांकि, मुस्लिम समाज के कुछ वर्गों ने इस विधेयक का स्वागत भी किया है। उनका मानना है कि यह वक्फ संपत्तियों की लूट को रोकने और पारदर्शिता बढ़ाने में मदद करेगा।

पारदर्शिता लाना मुख्य मकसद

मालूम हो, सरकार वक्फ बोर्ड के कामकाज में जवाबदेही और पारदर्शिता बढ़ाने के लक्ष्य के साथ वक्फ अधिनियम, 1995 में संशोधन करने के लिए वक्फ (संशोधन) विधेयक लेकर आई है। यह वक्फ बोर्ड की अनियंत्रित शक्ति को कम करने के लिए वक्फ अधिनियम, 1995 के कुछ प्रावधानों को हटाने का प्रयास करता है, जो वर्तमान में उन्हें आवश्यक जांच के बिना किसी भी संपत्ति को वक्फ घोषित करने की अनुमति देता है। साथ ही, इस बिल का मकसद वक्फ बोड्र्स के काम करने के तरीके में पारदर्शिता, जवाबदेही लाना और इन निकायों में महिलाओं की अनिवार्य रूप से भागीदारी को यकीनी बनाना है। सरकार का कहना है कि 1995 के कानून में वक्फ संपत्तियों,टाइटल विवादों और वक्फ भूमि पर अवैध कब्जे के विनियमन से संबंधित खामियां हैं। सरकार द्वारा उठाए गए प्रमुख कदमों में वक्फ बोर्डों के गठन में सीमित विविधता, मुतवल्लियों द्वारा शक्ति का दुरुपयोग, स्थानीय राजस्व अधिकारियों के साथ प्रभावी कोर्डिनेशन की कमी और वक्फ बोर्ड को संपत्तियों पर दावा करने के लिए व्यापक शक्ति देना शामिल है, जिसके परिणामस्वरूप विवाद और मुकदमेबाजी होती है। सरकार का कहना है कि इसका उद्देश्य वक्फ संपत्तियों के प्रशासन को बढ़ाना, टेक्नोलॉजी से संचालित मैनेजमेंट को शामिल करना, मौजूदा जटिलताओं को दूर करना और पारदर्शिता को बढ़ावा देना है। माना जा रहा है कि एनडीए के सहयोगी दलों टीडीपी और जेडीयू के सुझावों के साथ ही जेपीसी में हुए विचार विमर्श से निकले सुझावों के चलते वक्फ संशोधन विधेयक में कई अहम परिवर्तन किए गए। लेकिन सरकार ने अपने मूल विचारों को शामिल करने में कोई समझौता नहीं किया है। दूसरी तरफ बिल के आलोचकों को मुख्य रूप से इस बात की चिंता है कि यह सरकार को वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन को रेगुलेट करने और यह निर्धारित करने की अनुमति देता है कि कोई संपत्ति वक्फ है या नहीं। इसका उद्देश्य वक्फ शासन की नींव को कमजोर करना और मुसलमानों के अधिकारों को कम करना है। जो लोग इस विधेयक का विरोध कर रहे हैं, वे सवाल उठा रहे हैं कि ऐसा नया कानून क्यों लाया जा रहा है,जो वक्फ के प्रबंधन के तरीके को बदल रहा है। आलोचकों के बीच मुख्य चिंता यह है कि सरकार वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन को रेगुलेट करके उन पर कंट्रोल हासिल करना चाहती है

और नए विधेयक के माध्यम से उसे यह निर्धारित करने का अधिकार मिल गया है कि कोई संपत्ति वक्फ है या नहीं। वक्फ ऐसी संपत्तियों को संदर्भित करता है जो विशेष रूप से मुस्लिम धार्मिक और परोपकारी उद्देश्यों के लिए समर्पित की जाती हैं। इस संपत्ति को बेचना या अन्य किसी उपयोग में लाना प्रतिबंधित होता है। इसका स्वामित्व 'अल्लाह' को सौंपा जाता है जिसका अर्थ है कि इसे दान करने वाला व्यक्ति इसे वापस नहीं ले सकता। भारत में वक्फ की परंपरा 12वीं शताब्दी में दिल्ली सल्तनत के दौरान शुरू हुई थी। मोहम्मद गौरी ने मुल्तान की जामा मस्जिद के लिए दो गांवों को वक्फ संपत्ति के रूप में समर्पित किया था। समय के साथ वक्फ संपत्तियों की संख्या बढ़ती गई।

1954 में वक्फ बोर्ड का गठन

भारत में 1913 में एक नया कानून पारित कर वक्फ को वैध बना दिया गया। 1954 में वक्फ बोर्ड का गठन हुआ। हालांकि, 1995 के संशोधन से वक्फ बोर्ड को असीमित शक्तियां मिलीं। पीवी नरसिम्हा राव की कांग्रेस सरकार ने वक्फ एक्ट 1954 में संशोधन किया और नए-नए प्रावधान जोड़कर वक्फ बोर्ड को असीमित शक्तियां दे दीं। वक्फ एक्ट 1995 का सेक्शन 3 (आर) के मुताबिक, अगर कोई संपत्ति, किसी भी उद्देश्य के लिए मुस्लिम कानून के मुताबिक पाक (पवित्र), मजहबी (धार्मिक) या (चेरिटेबल) परोपकारी मान लिया जाए तो वह वक्फ की संपत्ति हो जाएगी। वक्फ एक्ट 1995 का आर्टिकल 40 कहता है कि यह जमीन किसकी है, यह वक्फ का सर्वेयर और वक्फ बोर्ड तय करेगा। बाद में वर्ष 2013 में संशोधन पेश किए गए, जिससे वक्फ को इससे संबंधित मामलों में असीमित और पूर्ण स्वायत्तता प्राप्त हुई। अगर आपकी संपत्ति को वक्फ की संपत्ति बता दी गई तो आप उसके खिलाफ कोर्ट नहीं जा सकते। आपको वक्फ बोर्ड से ही गुहार लगानी होगी। वक्फ बोर्ड का फैसला आपके खिलाफ आया, तब भी आप कोर्ट नहीं जा सकते। वक्फ एक्ट का सेक्शन 85 कहता है कि ट्राइब्यूनल के फैसले को हाई कोर्ट या सुप्रीम कोर्ट में भी चुनौती नहीं दी जा सकती है।

अधिनियम में बदलाव जरूरी

भारत में कई संपत्तियां वक्फ के अंतर्गत आती हैं, जिनमें मस्जिद, ईदगाह, दरगाह, खानकाह, इमामबाड़े और कब्रिस्तान शामिल हैं। वक्फ संपत्तियां इस्लाम को मानने वाले लोग दान करते हैं और इन्हें समुदाय के सदस्य ही मैनेज करते हैं। प्रत्येक राज्य में एक वक्फ बोर्ड होता है,जो एक कानूनी इकाई है जो संपत्ति का अधिग्रहण,धारण और हस्तांतरण कर सकती है। वक्फ संपत्तियों को स्थायी रूप से बेचा या पट्टे पर नहीं दिया जा सकता है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार वक्फ बोर्ड वर्तमान में भारत भर में 9.4 लाख एकड़ में फैली 8.7 लाख संपत्तियों को नियंत्रित करता है, जिसका अनुमानित कीमत 1.2 लाख करोड़ रुपये है। बता दें, वक़्फ को बनाने वाले को वाकिफ़ कहा जाता है, जिसका प्रबंधन प्रशासक यानी मुतवल्ली प्रबंधन करता है। वक़्फ की संपत्ति को स्थायी तौर पर लीज पर नहीं दिया जा सकता, ना ही बेचा जा सकता है। बहरहाल, वक्फ को लेकर लोगों के अलग-अलग दावे होते रहते हैं। जिसके बाद सरकार के लिए ये बड़ी चुनौती हो जाती है कि वो लोगों को कैसे भरोसा दिलाए कि वो जो दलील दे रही है वो सही है।इसके बाद कई विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार इस पर नियंत्रण करना चाहती है। सरकार ने इसमें कई बदलाव की बात कही है। बहरहाल, वक्फ संशोधन विधेयक भारत में धार्मिक संपत्तियों से जुड़े कानूनों में एक बड़ा बदलाव लाने वाला कदम है। यह देखना दिलचस्प होगा कि यह विधेयक कानून बनने के बाद किस तरह लागू किया जाता है और इसका अल्पसंख्यकों, सरकार और समाज पर क्या प्रभाव पड़ता है।

दोनों समुदायों के बीच विश्वास बहाली और स्थायी शांति स्थापना का प्रयास

सरकार ने मणिपुर में शांति के लिए मेइती-कुकी समूहों के साथ की बैठक

नई दिल्ली (भाषा)। केंद्र ने मणिपुर के मेइती और कुकी समुदायों के प्रतिनिधियों के साथ शनिवार को बैठक की, ताकि अशांत राज्य में स्थायी शांति स्थापित की जा सके। सूत्रों ने बताया कि यह बैठक दोनों समुदायों के बीच मई 2023 से शुरू हुए संघर्ष का सौहार्दपूर्ण समाधान खोजने के लिए केंद्र सरकार की पहल के तहत आयोजित की गई। उन्होंने बताया कि बैठक का उद्देश्य मेइती और कुकी के बीच विश्वास और सहयोग बढ़ाना तथा मणिपुर में शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए खाका तैयार करना था। बैठक में ऑल मणिपुर यूनाइटेड क्लब्स ऑर्गनाइजेशन (एएमयूसीओ) और फेडरेशन ऑफ सिविल सोसाइटी ऑर्गनाइजेशन (एफओसीएस) के प्रतिनिधियों सहित छह सदस्यीय मेइती प्रतिनिधिमंडल ने भाग लिया। कुकी प्रतिनिधिमंडल में लगभग नौ प्रतिनिधि शामिल थे। केंद्र सरकार के वार्ताकारों में खुफिया ब्यूरो के सेवानिवृत्त विशेष निदेशक ए के मिश्रा भी शामिल थे। बृहस्पतिवार को लोकसभा में मणिपुर पर बहस के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि गृह मंत्रालय ने पहले भी मेइती और कुकी समुदायों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की थी।

राज्य में 23 महीने से हिंसा जारी, 250 लोगों की हो चुकी मौत

सरकार रास्ता तलाशने के लिए कर रही काम

उन्होंने कहा कि दोनों समुदायों के विभिन्न संगठनों के साथ अलग-अलग बैठकें भी की गईं। निचले सदन में हुई संक्षिप्त बहस का जवाब देते हुए शाह ने कहा, ''गृह मंत्रालय जल्द ही एक संयुक्त बैठक बुलाएगा।'' सदन ने मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू करने की पुष्टि करते हुए एक वैधानिक प्रस्ताव को मंजूर किया। गृह मंत्री ने यह भी कहा कि सरकार हिंसा को समाप्त करने का रास्ता तलाशने के लिए काम कर रही है, लेकिन सर्वोच्च प्राथमिकता शांति स्थापित करना है। शाह ने कहा कि मणिपुर में स्थिति काफी हद तक नियंत्रण में है क्योंकि पिछले चार महीनों में हिंसा में कोई मौत नहीं हुई है, लेकिन इसे संतोषजनक नहीं माना जा सकता क्योंकि विस्थापित लोग अभी भी राहत शिविरों में रह रहे हैं। मणिपुर में नौ फरवरी को तत्कालीन मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के इस्तीफा देने के बाद 13 फरवरी को राष्ट्रपति शासन लगाया गया था।

मई 2023 में दोनों समुदायों के बीच भड़की हिंसा

राज्य विधानसभा, जिसका कार्यकाल 2027 तक है, को निलंबित कर दिया गया है। मई 2023 में इंफाल घाटी स्थित मेइती और पर्वतीय क्षेत्रों में रहने वाले कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा भड़कने के बाद से लगभग 260 लोगों की जान जा चुकी है। संघर्ष के शुरुआती चरण के दौरान मणिपुर के विभिन्न थानों से कई हजार हथियार लूट लिए गए। तीन जनवरी को राज्यपाल का कार्यभार संभालने वाले अजय कुमार भल्ला तब से विभिन्न वर्गों के लोगों से मिल रहे हैं और उनसे राज्य में सामान्य स्थिति बहाल करने के बारे में जानकारी ले रहे हैं। राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद राज्यपाल ने शांति बहाल करने और सामान्य स्थिति वापस लाने के लिए कई कदम उठाए थे।

6 जजों की टीम ने किया था मणिपुर का दौरा

21 मार्च को सुप्रीम कोर्ट के 6 जजों की टीम ने मणिपुर का दौरा किया था। राहत शिविरों का दौरा किया था। टीम में जस्टिस कोटेश्वर सिंह, जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस एमएम सुंदरेश, जस्टिस केवी विश्वनाथन शामिल थे। उम्मीद जताई गई थी कि जजों के दौरे के बाद राहत शिविरों में रह रहे विस्थापितों की जिंदगी में आसानी आएगी, लेकिन दौरे के 15 दिन बीतने के बाद राहत शिविरों की हालत में बदलाव नहीं हुआ।

शाह बोले- मणिपुर में चार महीने से शांति

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 3 अप्रैल को लोकसभा और राज्यसभा में मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाने का प्रस्ताव पेश किया, जिसे दोनों सदन से मंजूरी मिल गई। लोकसभा में शाह ने कहा- दिसंबर से मार्च तक बीते चार महीनों से मणिपुर में कोई हिंसा नहीं हुई है। राहत कैंपों में खाने-पीने, दवाइयों और मेडिकल सुविधाएं सुनिश्चित की गई हैं। दरअसल, मई 2023 से मणिपुर में हिंसा शुरू हुई थी। 9 फरवरी को तत्कालीन मुख्यमंत्री एन बीरेन के इस्तीफा के बाद मणिपुर में 13 फरवरी को राष्ट्रपति शासन लगाया गया।

पीएम मोदी ने चार परियोजनाओं को मंजूरी मिलने पर दी प्रतिक्रिया

रेलवे परियोजनाओं से संपर्क सुविधा संबंधी बुनियादी ढांचे में होगा सुधार

भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में 1,247 किलोमीटर की होगी वृद्धि

नई दिल्ली (भाषा)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार द्वारा चार 'मल्टी-ट्रैकिंग' (एक खंड पर कई पटरियों का निर्माण) रेलवे परियोजनाओं को मंजूरी दिए जाने से संपर्क संबंधी बुनियादी ढांचे में सुधार होगा, लोगों के लिए सुविधा बढ़ेगी, लागत में कमी आएगी और आपूर्ति श्रृंखला मजबूत होगी। एक सरकारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मोदी ने रेल मंत्रालय की चार परियोजनाओं को केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी मिलने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए यह बात कही। इन

परियोजनाओं की कुल लागत लगभग 18,658 करोड़ रुपये है। महाराष्ट्र, ओडिशा और छत्तीसगढ़ के 15 जिलों में फैली इन चार परियोजनाओं से भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में लगभग 1,247 किलोमीटर की वृद्धि होगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 'वाइब्रेंट विलेज' कार्यक्रम के दूसरे चरण को कैबिनेट की मंजूरी मिलना सीमावर्ती गांवों में बेहतर जीवन स्तर सुनिश्चित करने की दिशा में एक ''असाधारण खबर'' है। उन्होंने कहा, ''इस मंजूरी के साथ हम 'वाइब्रेंट विलेज' के पहले चरण में कवर किए गए गांवों के दायरे का भी विस्तार कर रहे हैं।'' इस कार्यक्रम का उद्देश्य जीवन संबंधी स्थितियों को बेहतर बनाना और आजीविका के पर्याप्त अवसर सृजित करना है ताकि समृद्ध और सुरक्षित सीमाएं सुनिश्चित की जा सकें।

सीमा पार अपराधों पर लगाम लगाई जा सकेगी

सीमा पार अपराधों पर लगाम लगाई जा सके और सीमा पर रहने वाले लोगों को राष्ट्र के साथ एकीकृत किया जा सके तथा उन्हें 'सीमा सुरक्षा बलों की आंख और कान' के रूप में तैयार किया जा सके जो कि आंतरिक सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। 6,839 करोड़ के कुल परिव्यय वाला यह कार्यक्रम 2028-29 तक अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, गुजरात, जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम, त्रिपुरा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के रणनीतिक रूप से अहम चुनिंदा गांवों में लागू किया जाएगा।

बैंकों में मराठी भाषा को लेकर बंद करें आंदोलन

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे ने शनिवार को अपनी पार्टी कार्यकर्ताओं से बैंकों और अन्य संस्थानों में मराठी भाषा के इस्तेमाल को लागू करने के लिए चल रहे 'आंदोलन' को फिलहाल रोकने को कहा है। उन्होंने कहा, मुद्दे पर काफी जागरूकता फैलाई है। उन्होंने पत्र में लिखा कि अब इस आंदोलन को रोकने में कोई बुराई नहीं है।

जदयू ने पांच सुझाव या शर्तें पेश की थीं, जिन्हें वक्फ संशोधन विधेयक में स्वीकारा गया : अंजुम आरा

नई दिल्ली (ब्यूरो.)। भाजपा की साथी जदयू के लिए वक्फ संशोधन विधेयक संसद में पारित होने के बाद से राजनीतिक परिदृश्य बदल सा गया है। पार्टी से कई मुस्लिम नेताओं के इस्तीफे के बाद अब शीर्ष नेतृत्व डैमेज कंट्रोल में जुट गया है। बिहार में सत्तारूढ़ नीतिश कुमार की जदयू को आगामी विधानसभा चुनाव टेढ़ी खीर नजर आ रहा है। जदयू के मुस्लिम नेताओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में शिया वक्फ बोर्ड चेयरमैन अफजल अब्बास, जदयू अल्पसंख्यक सेल के अध्यक्ष अशरफ अंसारी, एमएलसी गुलाम गौस, पूर्व राज्यसभा सांसद अशफाक करीम, सुन्नी वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष अंजुम आरा, कहकशा परवीन और सलीम परवेज शामिल हुए। जेडीयू नेता अंजुम आरा ने कहा ने कहा कि जदयू ने पांच सुझाव या शर्तें पेश की थीं, जिन्हें वक्फ संशोधन विधेयक में स्वीकार कर लिया गया। अंजुम आरा ने कहा कि पहला- जमीन राज्य का मामला है, इसलिए कानूनों में भी यह प्राथमिकता बनी रहे। दूसरा- यह कानून भावी तरीके से प्रभावी हो, न कि पूर्वव्यापी तरीके से। तीसरा- अगर किसी गैर-पंजीकृत वक्फ संपत्ति पर कोई धार्मिक संस्थान स्थापित है, तो उससे छेड़छाड़ नहीं की जाएगी। चौथा- वक्फ संपत्तियों से जुड़े विवादों को सुलझाने के लिए जिला मजिस्ट्रेट से ऊपर के अधिकारी को अधिकृत किया जाए। पांचवां- वक्फ बोर्ड की संपत्तियों को डिजिटल पोर्टल पर रजिस्टर करने के लिए बिल में दी गई 6 महीने की समय सीमा को बढ़ाया जाए।

खबर संक्षेप

वर्मा इलाहाबाद हाईकोर्ट में बने जज, शपथ ली

प्रयागराज। नोट बरामदगी के मामले के बाद चर्चा में आए न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा ने शनिवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट में न्यायाधीश के रूप में शपथ ग्रहण कर ली। हालांकि, उन्हें तब तक कोई न्यायिक कार्य नहीं दिया जाएगा, जब तक उनके खिलाफ चल रही जांच पूरी नहीं हो जाती है।

'बाबू' को पीएम समेत नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। देश के पूर्व उप-प्रधानमंत्री और समाजसेवी बाबू जगजीवन राम की जयंती पर शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके योगदान को याद किया। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि बाबू जगजीवन राम ने अपना पूरा जीवन गरीबों और वंचितों के कल्याण के लिए समर्पित कर दिया।

मुंडे को देना होगा महिला को भरण-पोषण

मुंबई। यहां की एक सत्र अदालत ने महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और एनसीपी नेता धनंजय मुंडे को बड़ा झटका दिया है। कोर्ट ने मुंडे की अपील खारिज कर दी। यह अपील उन्होंने एक मजिस्ट्रेट अदालत के उस आदेश के खिलाफ दायर की थी, जिसमें उन्हें एक महिला को गुजारा भत्ता देने का निर्देश दिया गया था।

कलाकारों की सूची से कामरा का नाम हटा

मुंबई। स्टैंडअप कॉमेडियन कुणाल कामरा पर शिवसेना लगातार हमलावर है। 'गद्दार' वाले बयान से गुस्साई शिवसेना ने दावा किया कि बुकमायशो ने कुणाल कामरा का नाम कलाकारों की सूची और टिकटिंग प्लेटफार्म से हटा दिया है।

राज्यपाल आरिफ का बड़ा बयान, बिल का समर्थन किया

वक्फ की संपत्ति पर गैर-मुस्लिमों का भी हक एक भी अनाथालय और अस्पताल नहीं खुला

वक्फ की संपत्तियां अल्लाह की जरूरतमंदों के लिए होनी चाहिए

एजेंसी ▶▶ पटना

बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने वक्फ संशोधन बिल का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि वक्फ की संपत्तियां अल्लाह की मानी जाती हैं। इसका इस्तेमाल गरीबों, जरूरतमंदों और जनहित के लिए होना चाहिए। गैर मुस्लिमों का भी वक्फ की संपत्तियों में बराबर का हक है। खान ने कहा कि भारत लोकतांत्रिक देश है। हर किसी को अपनी बात रखने का अधिकार है। जब मैं यूपी में मंत्री था तब वक्फ विभाग मेरे पास ही था। हर समय मुझे ऐसे लोगों से मिलना पड़ता था, जिनके संपत्ति के मामले चल रहे थे। खान ने कहा कि इसमें बहुत सुधार की जरूरत थी। यह वक्फ संशोधन विधेयक इसी दिशा में एक कदम है।

विरोधी पॉलिटिकल मुसलमान और इस्लाम में पुतला दहन नहीं होता

उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष भड़के

देहरादून। उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष शादाब शम्स ने कहा है कि जो लोग वक्फ (संशोधन) बिल का विरोध कर रहे हैं, वे पॉलिटिकल मुसलमान हैं। शादाब शम्स ने कहा कि इन दिनों वक्फ बिल के विरोध में पुतले दहन किए जा रहे हैं लेकिन पुतला दहन इस्लाम का हिस्सा नहीं है। उन्होंने कहा कि इस्लाम में दहन का कोई कांसेप्ट ही नहीं है। उन्होंने सवाल पूछा कि क्या अरब में दहन होता है?शादाब शम्स ने कहा कि पुतले दहन करने वाले या तो मुसलमान नहीं हैं या फिर ये पॉलिटिकल मुसलमान हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग गरीब मुसलमानों को गुमराह कर रहे हैं। लेकिन अब गरीब मुसलमान समझ रहा है कि उसकी लड़ाई पूंजीपति मुसलमान से है, वक्फ माफिया से है और ऐसे लोगों से है जो वक्फ को अपने तक सीमित रखना चाहते हैं।

एम्पुरान निर्माता के ऑफिस पर ईडी की रेड

डेढ़ करोड़ नकदी जब्त फेमा उल्लंघन का दावा

एजेंसी ▶▶ चेन्नई

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कहा कि 4 अप्रैल को तमिलनाडु और केरल में श्री गोपालन चिट एंड फाइनेंस कंपनी लि. (गोकुल चिट फंड) के कई कार्यालयों में की गई तलाशी के दौरान 1.5 करोड़ रुपए नकद जब्त किए हैं। एएम गोपालन के स्वामित्व वाली यह कंपनी (गोकुलम गोपालन) आगामी मलयालम फिल्म एल2: एम्पुरान के निर्माताओं में से एक है। ये तलाशी विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत 1000 करोड़ रुपए के कथित विदेशी मुद्रा उल्लंघन की चल रही जांच का हिस्सा है। एजेंसी ने एक बयान में कहा कि शुक्रवार को शुरू की गई तलाशी शनिवार को समाप्त हो गई। यह कार्रवाई फेमा के तहत केरल के कोझिकोड में एक स्थान और तमिलनाडु के चेन्नई में दो स्थानों पर श्री गोकुलम चिट्स एंड फाइनेंस कंपनी प्रा. लि. के आवासीय और व्यावसायिक परिसरों में शुरू की गई। तलाशी के दौरान 1.50 करोड़ रुपये नकद और फेमा का उल्लंघन करते हुए आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए गए।

रामनवमी के आयोजन पर कोहराम

ममता भी निकालेंगी जुलूस भाजपा-टीएमसी आमने-सामने

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल में राम नवमी के जुलूस को लेकर राजनीतिक पारा चढ़ा हुआ है। टीएमसी और भाजपा आमने-सामने हैं। अदालत ने 6 अप्रैल को जुलूस निकालने की इजाजत दे दी है। भाजपा समेत कई हिंदू संगठन जुलूस निकालने के लिए तैयार हैं। अब टीएमसी भी जुलूस निकालने जा रही है। हालांकि बंगाल सरकार ने सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा है। विधायक शौकत मोल्लाह ने दावा किया कि टीएमसी कैनिंग में होने वाली रामनवमी की विशाल रैली में शामिल होगी। जुलूस के आयोजक ने

उनको भी न्योता दिया है। उन्होंने भड़काऊ माहौल बनाने की कोशिश किए जाने का आरोप लगाया। मोल्लाह ने कहा कि भाजपा नेता सुकांत मजूमदार, सुवेंदु अधिकारी और दिलीप घोष धर्म का राजनीतिकरण कर रहे हैं। बंगाल में इस बार राम नवमी का जुलूस कितना भव्य होगा इसका अंदाजा इस बात से ही लगाया जा सकता है कि शोभायात्रा के लिए ढाई हजार से ज्यादा आवेदन दिए गए हैं।

केंद्र और दिल्ली सरकार के बीच हुआ समझौता

10 अप्रैल से मिलेगा आयुष्मान कार्ड, पहले चरण में गरीबों को दिया जाएगा लाभ

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राजधानी में गरीबों के लिए आयुष्मान योजना लागू हो गई है। इस सुविधा के तहत पंजीकृत व्यक्ति दिल्ली सहित देशभर के निजी अस्पतालों में 10 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज करवा सकेंगे। इसको लेकर शनिवार को दिल्ली में आयुष्मान के लिए केंद्र और दिल्ली सरकार के बीच समझौता हुआ है। दिल्ली के स्वास्थ्य सचिव और केंद्र सरकार के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी ने समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस मौके पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल, दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता, दिल्ली के मुख्य सचिव धर्मेंद्र, स्वास्थ्य मंत्री पंकज कुमार सिंह, सभी सातों सांसद सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

1 माह में 1 लाख परिवारों को मिलेगी सुविधा

समझौते के साथ ही योजना के तहत पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। उम्मीद है कि अगले एक माह में एक लाख परिवारों को यह सुविधा उपलब्ध हो जाएगी। योजना के पहले चरण के लिए एएवाई और पीआरएस कार्ड को चुना है।

2 लाख 35 हजार को पहले कार्ड मिलेगा

सीएम गुप्ता ने कहा कि केंद्र ने इस योजना को लागू करवाया और बढ़ा फंड दिया। पहले दिल्ली को इस योजना का लाभ नहीं मिल रहा था। महंगा इलाज होता था। निजी अस्पताल में मिल सकते थे। इस योजना के लागू होने पर मनपसंद अस्पताल में इलाज करवा सकेंगे। 1,961 चिकित्सा बीमारी का इलाज करवा सकता है।

भारतीय वायु सेना INDIAN AIR FORCE

अग्निवीरवायु के तौर पर भारतीय वायु सेना में शामिल हों

भारतीय वायु सेना भर्ती 01/2026 में अग्निवीरवायु (संगीतकार) के तौर पर आईएएफ ज्वाइन करने के लिए 10 जून 2025 से 18 जून 2025 तक 2 एएससी सी/ओ रेस कोर्स कैम्प, एयर फोर्स स्टेशन, नई दिल्ली और 7 एएससी, नं. 1 कब्बन रोड, बेंगलुरु (कर्नाटक) में भर्ती रैली में शामिल होने के लिए अविवाहित भारतीय पुरुष और महिला उम्मीदवारों को आमंत्रित करती है।

1. **स्थान / अवस्थिति** — 2 एएससी सी/ओ रेस कोर्स कैम्प, एयर फोर्स स्टेशन, नई दिल्ली (नई दिल्ली) और 7 एएससी, नं. 1 कब्बन रोड, बेंगलुरु (कर्नाटक)
2. **वैवाहिक स्थिति और जन्मतिथि ब्लॉक** — उम्मीदवार अविवाहित होना चाहिए और जन्म 01 जनवरी 2005 और 01 जुलाई 2008 (दोनों तिथियां शामिल) के बीच जन्म होना चाहिए।
3. **(ए) शैक्षणिक योग्यता** — किसी सरकारी मान्यताप्राप्त स्कूल / बोर्ड से न्यूनतम उत्तीर्ण अंकों सहित मैट्रिकुलेशन / 10वीं अथवा समकक्ष उत्तीर्ण।

(बी) संगीत योग्यता — (i) उम्मीदवारों को टेम्पो, पिच और एक पूरा गीत गाने में सटीकता के साथ संगीत में दक्षता अवश्य होनी चाहिए। उन्हें एक प्रारंभिक धुन और किसी भी नोटेशन अर्थात स्टाफ नोटेशन / टैबलेचर / टॉनिक सोल्फा / हिंदुस्तानी / कारनेटिक आदि का प्रदर्शन करने में सक्षम होना चाहिए। उम्मीदवारों को व्यक्तिगत उपकरणों को ट्यून करने में (यदि उपकरणों को ट्यूनिंग की आवश्यकता होती है) और वोकल अथवा इंस्ट्रयूमेंट्स पर अज्ञात नोट्स का मिलान करने में सक्षम होना चाहिए
(ii) उम्मीदवारों को सूची ए या बी से किसी एक वाद्ययंत्र को बजाने में दक्षता अवश्य होनी चाहिए।

सूची-ए	सूची-बी
(एए) कॉन्सर्ट बांसुरी/ पिकोलो	(एए) कीबोर्ड/ऑर्गन/पियानो
(एबी) ओबो	(एबी) गिटार (ध्वनिक / लीड / बास)
(एसी) ईबी/बीबी में शहनाई	(एसी) वायलिन, वायोला, स्ट्रिंग बास
(एडी) ईबी/बीबी में सैक्सोफोन	(एडी) तालवाद्य/ड्रम (ध्वनिक/इलेक्ट्रॉनिक)
(एई) एफ/बीबी में फ्रेंच हॉर्न	(एई) सभी भारतीय शास्त्रीय वाद्ययंत्र
(एएफ) ईबी/सी/बीबी में तुरही	
(एजी) बीबी/जी में ट्रॉम्बोन	
(एएच) बैरीटोन	
(एजे) यूफोनियम	
(एके) ईबी/बीबी में बास/ट्यूबा	

(iii) यह वांछनीय है कि उम्मीदवारों के पास दो वाद्ययंत्र (उपरोक्त सूची ए और बी से एक प्रत्येक) बजाने में दक्षता होनी चाहिए।

(सी) संगीत अनुभव प्रमाण-पत्र — उम्मीदवारों के पास निम्नलिखित में से कोई एक अनुभव प्रमाण-पत्र होना चाहिए :
(i) किसी मान्यता प्राप्त संगीत संस्थान जैसे टीसीएल या आरएसएम, केएम म्यूजिक कंजर्वेटरी, बैंगलोर स्कूल ऑफ म्यूजिक, टीएसएम, जीएमआई, बर्कली स्कूल ऑफ म्यूजिक आदि से एक उपकरण में ग्रेड 5वीं अथवा समकक्ष अथवा उससे ऊपर।
अथवा
(ii) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से हिंदुस्तानी या कारनेटिक शास्त्रीय संगीत का प्रदर्शन करने वाले उम्मीदवारों के लिए संगीत के क्षेत्र में डिप्लोमा या समकक्ष।
अथवा
(iii) विभिन्न आयोजनों में प्रस्तुत की गई भागीदारी/पुरस्कारों का प्रमाण पत्र।
ऐसे उम्मीदवारों के लिए शैक्षणिक क्यूआरएस में उल्लिखित अनुसार स्टाफ नोटेशन के साथ वाद्ययंत्रों को बजाने का प्रदर्शन/बजाना।

5. **रैली का समय व तिथि** — रैली के लिए पंजीकरण 21 अप्रैल 2025 को 1100 बजे शुरू होगा और 11 मई 2025 को 2300 बजे वेबपोर्टल https://agnipathvayu.cdac.in पर बंद हो जाएगा। केवल अंतरिम प्रवेश पत्र के साथ जारी पंजीकृत उम्मीदवारों को अंतरिम प्रवेश पत्र में उल्लिखित तिथि, समय और स्थान के अनुसार भर्ती रैली में उपस्थित होने की अनुमति है।
उम्मीदवार को पंजीकरण शुल्क रु. 100/- जमा जीएसटी का भुगतान करना होगा।
6. **कवर किए गए राज्य/जिले** — सभी राज्यों और भारत के सभी संघ क्षेत्रों के सभी जिले।

विस्तृत विज्ञापन हेतु वेबपोर्टल https://agnipathvayu.cdac.in पर लॉग ऑन करें।

विस्तृत जानकारी हेतु क्यूआर कोड स्कैन करें

cbc 10803/11/0002/2526

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक देवेन्द्र सिंह द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 से प्रकाशित। संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। RNI No. 63924/1996, फोन : 9253681019-20, फैक्स : 274202, e-mail : rohtak@haribhoomi.com, rohtakharibhoomi@gmail.com
Postal Regd. No. P/RTK/389/2023-25

संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने वाराणसी में विद्यार्थियों से किया 'सीधा संवाद'

विधि-विधान से 15 मिनट मंत्रोच्चार के बीच विश्वनाथ बाबा का दर्शन-पूजन और अभिषेक किया

हिंदुओं के मंदिर-पानी और श्मशान एक हों, सभी पंथ, जाति, समुदाय साथ आएं

एजेंसी ▶▶ वाराणसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने शनिवार को वाराणसी में कहा कि श्मशान, मंदिर और पानी सब हिंदुओं के लिए एक होना चाहिए। इसी लक्ष्य के साथ संघ काम कर रहा है। हिंदू समाज के सभी पंथ, जाति, समुदाय साथ आएं। यही संघ की परिकल्पना है। संघ का मतलब सबकी मदद करना और युवा शक्ति को सही दिशा देना है। शनिवार सुबह वे काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने विधि-विधान से 15 मिनट मंत्रोच्चार के बीच बाबा का दर्शन-पूजन और अभिषेक किया।संघ प्रमुख आईआईटी बीएचयू के जिमखाना मैदान में 70 मिनट तक रहे। उन्होंने आईआईटी के 100 से ज्यादा छात्रों का योग, खेल और वैदिक मंत्रों का उच्चारण देखा। छात्र उन्हें देख कर जय बजरंगी, भारत माता की जय और वंदे मातरम का उद्घोष करते दिखे।

आईआईटी के 100 से ज्यादा छात्रों का योग खेल और वैदिक मंत्रों का उच्चारण देखा

संघ प्रमुख आईआईटी बीएचयू के जिमखाना मैदान में 70 मिनट तक रहे

संघ प्रमुख ने कहा कि हम अपनी भाषा, संस्कृति और संस्कार को बचाने के लिए खुद से पहल करें

डॉ. भागवत ने पूछा...

बताइए संघ क्या है?

डॉ. भागवत ने छात्रों से पूछा- क्या आप संघ को समझते हैं, बताइए संघ क्या है? इस पर छात्रों ने कहा- संघ का मतलब हिंदुत्व को बढ़ावा देना। सनातन की रक्षा करना। धर्म कोई भी हो, सबकी मदद करना और युवा शक्ति को सही दिशा दिखाना, यही संघ है। संघ संगठन का उद्देश्य हिंदू धर्म को मजबूत करने का है। हिंदुत्व की विचारधारा को फैलाना है। भारतीय संस्कृति और उसके सभ्यता के मूल्यों को बनाए रखने के आदर्श को बढ़ावा देना है। यह आपको भी ख्याल रखना चाहिए। हिंदू समुदाय को मजबूत करने के साथ ही हिंदुत्व की विचारधारा को फैलाना है। भारतीय संस्कृति और उसके सभ्यतागत मूल्यों को बनाए रखने के आदर्श को बढ़ावा देना है।

तब केसी सुदर्शन को नहीं मिली थी अनुमति

उन्होंने बताया कि तत्कालीन संघचालक केसी सुदर्शन को विज्ञान भारती के एक कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया था। उनका आना तय भी था, लेकिन तब बीएचयू प्रशासन ने उन्हें परिसर में आने की अनुमति देने से इंकार कर दिया था। उनकी जगह दूसरे केंद्रीय पदाधिकारी आए थे। तब प्रो. पंजाब सिंह बीएचयू के कुलपति थे।

बीएचयू में छह दशक बाद तीसरे संघ प्रमुख का प्रवास

डॉ. भागवत ने शुक्रवार को बीएचयू में लगभग छह दशक पुरानी एक परंपरा पुनर्जीवित की। वह तीसरे संघ प्रमुख हैं जिनका बीएचयू के छात्रों के बीच कार्यक्रम हुआ है। हालांकि महामना मालवीय की बगिया में भैयाजी दाणी, राजेंद्र सिंह उर्फ रज्जू भैया, केसी सुदर्शन का भी प्रवास हुआ है, लेकिन तब वह संघचालक नहीं थे। संघ के संस्थापक डॉ. केशव हेडगेवार पहले संघचालक थे, जिनका बीएचयू के विद्यार्थियों के बीच कई बार प्रवास हुआ था। तब संघ के द्वितीय संघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर 'गुरुजी' बीएचयू में छात्र और बाद में प्राध्यापक थे। डॉ. हेडगेवार के संपर्क में आने के बाद वह संघ से जुड़े। बाद में वह संघचालक के रूप में भी बीएचयू आए थे। संघ के एक बुजुर्ग स्वयंसेवक ने याद किया कि लगभग छह दशक बाद मोहन भागवत संघचालक के रूप में बीएचयू पहुंचे हैं।

राजनाथ सिंह ने किया नौसेना की परियोजनाओं का उद्घाटन

हिंद महासागर क्षेत्र को समृद्ध बनाएंगे, यहां मुक्त परिवहन, शांति व स्थिरता सुनिश्चित करना हमारा मुख्य उद्देश्य

एजेंसी ▶▶ कारवार

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कर्नाटक के कारवार नौसैनिक अड्डे पर नौसेना की तमाम परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने हिंद महासागर पोत आईओएस सागर को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

आईएनएस सुनयना से जुड़े इस जहाज में नौ देशों की नौसेनाओं के 44 कर्मी सवार हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हिंद महासागर पोत आईओएस सागर की यात्रा की शुरुआत पर ढेर सारी बधाई। मैं भारतीय नौसेना और हिंद महासागर क्षेत्र के हमारे सभी हितधारकों की सराहना करता हूं। आपके अथक प्रयासों और मेहनत से ही यह संभव हो पाया है।

भारत तटवर्ती देशों के साथ घनिष्ठ रूप से जुड़ा

रक्षा मंत्री ने कहा कि हिंद महासागर की समुद्री सुरक्षा से भारत और तटवर्ती देशों का राष्ट्रीय हित भी बेहद घनिष्ठ रूप से जुड़ा हुआ है। हमारे लिए हिंद महासागर क्षेत्र सिर्फ सुरक्षा की दृष्टि से ही अहम नहीं है, बल्कि यह हमारे व्यापार, अर्थव्यवस्था, पर्यटन, संस्कृति और राष्ट्रीय हित को प्रभावित करता है। हम इस महत्व को न सिर्फ समझ रहे बल्कि इस दिशा में मिलकर काम भी कर रहे हैं। हमारा प्रयास है कि हम अपनी मौजूदगी से हिंद महासागर क्षेत्र को और ज्यादा शांत और समृद्ध बनाएं। राजनाथ सिंह ने कहा कि हमारी नौसेना हिंद महासागर क्षेत्र में यह सुनिश्चित करती है कि कोई राष्ट्र अपनी अर्थव्यवस्था और सैन्य ताकत के दम पर किसी दूसरे राष्ट्र को दबा न सके। भारत यह सुनिश्चित करता है कि हिंद महासागर में किसी की संप्रभुता पर आंच आए बिना उनके हित को सुरक्षित किया जा सके।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज के काफिले का वाहन पलटा

भोपाल (हरिभूमि न्यूज)। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल से देवास जा रहे केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के काफिले में शामिल पुलिस की गाड़ी आष्टा थाना क्षेत्र के ग्राम बेदाखेड़ी के पास हादसे का शिकार हो गई है। काफिले में शामिल गाड़ी अनियंत्रित होकर पलटने से उसमें सवार 3 पुलिस जवान घायल हुए हैं। घायल जवानों को तुरंत इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शिवराज सिंह चौहान शनिवार को भोपाल से देवास जिले के खातेगांव संदलपुर जा रहे थे। उनका काफिला जैसे ही आष्टा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम बेदाखेड़ी के पास पहुंचा तो काफिले में शामिल एक फॉलो वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। घटना में तीन पुलिसकर्मी घायल हुए हैं, जिनमें एएसआई एसपी सिमोलिया, नीरज शुक्ला और आकाश अटल शामिल हैं।

प्रशांत महासागर में भूकंप की आशंका : 12 लाख लोगों पर खतरा और भारी तबाही होने का अनुमान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

जापान की सरकार ने अपनी कैबिनेट रिपोर्ट जारी कर चेतावनी दी है कि प्रशांत महासागर तट के पास बेहद भयानक भूकंप आ सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, भूकंप इतना अधिक शक्तिशाली होगा, जिससे सुनामी पैदा होगी। सुनामी के प्रचंड लहर में सैकड़ों इमारतें तबाह हो सकती है। जापान सरकार ने भूकंप और सुनामी के कारण जो तबाही का अनुमान लगाया है, वो बेहद डरावना है। आशंका जताई गई है कि भूकंप और सूनामी के कारण कम से कम तीन लाख से अधिक लोगों की मौत हो सकती है। जापान सरकार ने आशंका जताई है कि अगर सबसे खराब स्थिति बनती है तो उस दौरान 9 की तीव्रता का भूकंप आ सकता है। इससे देश की 12 लाख 30 हजार की आबादी के प्रभावित होने की संभावना होगी।

सबसे ज्यादा भूकंप संभावित क्षेत्रों में शामिल

दुनिया के सबसे ज्यादा भूकंप संभावित क्षेत्रों में जापान शामिल है। यह कांपते हुए समुद्री इलाकों वाले कैटोगिरी में रखा गया है। यहां पर समुद्री इलाकों में आने वाले भूकंप की 8 से 9 की तीव्रता की संभावना 80 फीसदी के करीब होती है। जापान की सरकार की आशंका सच होती है, तो देश को 1.81 ट्रिलियन डॉलर का नुकसान हो सकता है।

म्यांमार के मांडले में सेना के सैन्य अस्पताल ने स्थापित किए नए कीर्तिमान

नई दिल्ली (ब्यूरो)। म्यांमार में बीते दिनों आए विनाशकारी भूकंप के बाद से भारत लगातार अपने पड़ोसी देश की हर संभव मदद करने में लगा हुआ है। ऑपरेशन ब्रह्मा के तहत उसकी सेना, वायुसेना और नौसेना प्राकृतिक आपदा की मार झेल रहे पड़ोसी देश को तत्काल सहायता प्रदान करने के लिए राहत-बचाव सामग्री की खेप भेज रहे हैं। सेना ने शनिवार को बताया कि म्यांमार के सर्वाधिक भूकंप प्रभावित मांडले में स्थापित किए गए कुल करीब 118 बेड के आपातकालीन फील्ड अस्पताल में घायलों का तेजी के साथ इलाज किया जा रहा है। अस्पताल ने आपदा में चिकित्सा सहायता प्रदान करने के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। जिसमें पिछले लगभग पांच दिनों में 700 से अधिक भूकंप पीड़ितों का उपचार किया गया है।

पीएम मोदी आज पंबन रेल पुल का उद्घाटन करेंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को तमिलनाडु का दौरा करेंगे। रामनवमी के अवसर पर, दोपहर 12 बजे पीएम मोदी भारत के पहले वर्टिकल लिफ्ट समुद्री पुल 'नए पंबन रेल पुल' का उद्घाटन करेंगे। वह सड़क पुल से एक ट्रेन और एक जहाज को हरी झंडी दिखाएंगे। साथ ही पुल के संचालन को भी देखेंगे। इसके बाद, दोपहर 12:45 बजे पीएम मोदी रामेश्वरम के रामनाथस्वामी मंदिर में दर्शन और पूजा करेंगे। दोपहर 1:30 बजे रामेश्वरम में ही वह तमिलनाडु में 8,300 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न रेल और सड़क परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे और उन्हें राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इस अवसर पर वह एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे। पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 6 अप्रैल को रामनवमी के शुभ अवसर पर, मैं तमिलनाडु के अपने भाइयों और बहनों के बीच आने के लिए उत्साहित हूं। नए पंबन रेल ब्रिज का उद्घाटन किया जाएगा। मैं अरुलमिगु रामनाथस्वामी मंदिर में प्रार्थना करूंगा। 8300 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का उद्घाटन या शिलान्यास भी किया जाएगा।